www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 173 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
15 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:51
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार शांति, स्वतंत्रता और समानता ... >> पेज 04 | विधायक प्रतीक भूषण ने ... >> पेज 06 | 'रामायण' का पहला गाना...

सवैधानिक संस्था में सामान्य नागरिक का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत: मुख्यमंत्री

पब्लिक ट्रस्ट पर निर्भर करता है गुड गवर्नेंस : सीएम योगी

कार्यक्रम

- लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- सीएम ने लोक आयुक्त प्रशासन की स्मारिका व सूचना पुस्तिका का किया विमोचन, 50 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी देखी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संवैधानिक संस्था में सामान्य नागरिक का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। जो संस्था आमजन के विश्वास पर खरा उतरेगी, लोकतंत्र में उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता और न ही कोई उसके महत्व को कम करके आंक सकता है। गुड गवर्नेंस पब्लिक ट्रस्ट पर निर्भर करता है। यदि जनता का विश्वास नहीं है तो हम सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। इसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास के साथ गौरव की अनुभूति कर सके। मुख्यमंत्री सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि लोक आयुक्त संगठन के 50वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोक आयुक्त प्रशासन की स्मारिका व सूचना पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही 50 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी व लघु फिल्म भी देखी। सीएम ने कहा कि आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, जनता दर्शन आदि के जरिये जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया जाता है। हालांकि कुछ लोग अनावश्यक शिकायत भी लेकर आते हैं, बताते हैं कि मेरी व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन किसी के खिलाफ शिकायत करनी है। यदि हम प्रमाण मांगते हैं तो आनाकानी भी होती है। एक अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सज्जन ने एक विद्यालय के खिलाफ शिकायत की। जांच में शिकायत झूठी निकली तो उन्होंने कहा कि पूरे जिले के विद्यालयों की जांच की जाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

जनविश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी

सीएम ने कहा कि संस्था के गठन मात्र से समस्या का समाधान नहीं होता। जन-विश्वास पर खरा उतरना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान निर्माताओं ने भारत की व्यवस्था के लिए संसदीय लोकतंत्र दिया। यदि जनप्रतिनिधि ने विश्वास खोया तो सरकार गई। हर पांच साल में उन्हें जनता के बीच जाना पड़ता है। यदि जनप्रतिनिधि जनभावना का सम्मान नहीं कर पाता है तो जनता को पूरा अधिकार है कि वह प्रतिनिधि को बदलकर दूसरों को मौका दे।

> सीएम ने कहा कि पैमाइश में शिकायत मिली कि लेखपाल ने जरीब में थोड़ा इधर-उधर कर दिया है। अब इस समस्या का भी समाधान हो गया। इसके लिए हर तहसील में रोबोट दे दिया है। इतनी पारदर्शिता हुई कि एक इंच भी कोई इधर-उधर नहीं कर सकता। अब तकनीक के माध्यम से पैमाइश का समाधान होगा, कोऑर्डिनेट के आधार पर हर व्यक्ति को उसकी जमीन उपलब्ध कराएंगे।

साढ़े 9 साल में 34 लाख राजस्व मामलों का निस्तारण

सीएम ने राजस्व विभाग के मामलों का भी जिक्र किया। कहा कि 2017 में भूमि संबंधी विवाद, पैमाइश, वरासत, नामांतरण से जुड़े 34 लाख मामले लंबित थे। इससे अनावश्यक विवाद होते थे। केवल वरासत से जुड़े लगभग छह लाख मामले लंबित थे। सभी के निस्तारण की समयसीमा तय की गई। तय किया गया कि लैंड यूज की समस्या का समाधान 30 दिन में नहीं हुआ तो इसे डीम्ड मान लिया जाएगा यानी गलत होने पर निस्तारण करने वाले की जवाबदेही तय होगी। साढ़े 9 साल में 34 लाख मामले का निस्तारण हुआ, लेकिन 9 साल में 9 लाख और मामले भी सामने आए। वरासत, पैमाइश आदि की समस्याओं का समाधान किया गया।

टेक्नोलॉजी दिलाएगी शिकायतों के अंबार से मुक्ति

सीएम ने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग कर शिकायतों के अंबार का समाधान निकाल सकते हैं। ऐसे प्रयास जनविश्वास के प्रतीक बनेंगे। हो सकता है कि लोकसेवक को बचाने का प्रयास होता है, लेकिन शिकायत जब लोक आयुक्त संगठन के पास जाती है तो वह मेरिट के आधार पर समाधान निकालता है। कई बार जब व्यक्ति को ताकत मिलती है तो वह उदंडतापूर्ण व्यवहार करने लगता है, उस पर अंकुश जरूरी है। लोकसेवक के लिए आवश्यक है कि उसे मूल्यों की रक्षा के अहसास और नैतिकता के साथ जोड़ा जाए। संविधान के निर्माण के पीछे निर्माताओं का यही भाव था।

> सीएम ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने न्याय, सत्य और समता को भारत की मौलिक आवश्यकता बताते हुए उल्लेख किया कि हर व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है। न्याय का आधार सत्य की कसौटी है। हर व्यक्ति को बिना भेदभाव समभाव से देखा जाए। शिकायत का मेरिट के आधार पर समाधान और शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर जोर होना चाहिए।

अब अधिवक्ताओं को पांच लाख तक कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस

चैंबर में फर्नीचर व उपकरण के लिए शासन करेगा सहयोगः सीएम

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

- हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के सम्मान समारोह में योगी ने की घोषणा
- फ्यूचर रेडी बार ही रखेगी फ्यूचर रेडी जस्टिस सिस्टम की मजबूत नींव : सीएम

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नई पीढ़ी के अधिवक्ता संवैधानिक मूल्यों के प्रहरी बनें और न्याय को जमीनी धरातल तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। फ्यूचर रेडी बार ही फ्यूचर रेडी जस्टिस सिस्टम की मजबूत नींव रख सकती है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के हाईकोर्ट और जिला अदालतों में सक्रिय सभी अधिवक्ताओं को सालाना पांच लाख रुपये तक की कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस सुविधा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं के चैंबर में फर्नीचर व उपकरण के लिए शासन सहयोग करेगा और 400 राज्य विधि अधिकारियों को टैबलेट दिए जाएंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

पत्रकार तरुण तेजपाल का गोवा कोर्ट में सरेंडर गए जेल

2013 रेप केस में 10 साल की सजा मिली है

तमसा संकेत, एजेंसी

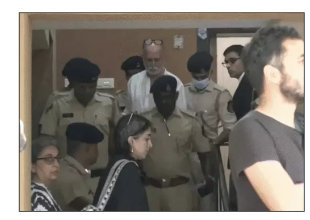

- मैगजीन के कार्यक्रम के दौरान जूनियर से रेप का आरोप था

पणजी। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी। तरुण तेजपाल के खिलाफ रेप का मामला 2013 का है। तेजपाल पर गोवा में अपने मैगजीन के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में एक जूनियर महिला सहकर्मी के साथ रेप का आरोप लगा था। पीड़ित भी पेश से पत्रकार थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

सुप्रीम कोर्ट के फैसले अब सुनकर भी समझ सकेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

आदेश सुनवाई

दिल्ली दंगा केस में कोर्ट ने 5 और दोषी ठहराया

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने 5 और आरोपियों को दोषी ठहराया है। अदालत ने भजनपुरा पेट्रोल पंप हिंसा मामले में फैसला सुनाते हुए माना कि आरोपियों की भीड़ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर पथराव और हमला किया था। इस नए फैसले के साथ ही दंगों से जुड़े अलग-अलग मामलों में अब तक कुल 26 आरोपियों को अदालत दोषी ठहरा चुकी है। हालांकि, कोर्ट ने पेट्रोल पंप में आग लगाने के आरोप से सभी पांचों को बरी कर दिया। कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज परवीन सिंह ने आरिफ, मोहम्मद खालिद, अब्दुल सत्तार, तनवीर अली और हुनैन के खिलाफ यह आदेश दिया।

बंगाल में गर्लफ्रेंड का शव लेकर जा रहा युवक गिरफ्तार

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में 19 साल की युवती की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने उसके बॉयफ्रेंड अमित कुमार महतो को शव के साथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक ने युवती की हत्या कर शव बोरी में भर दिया। फिर बाइक के पीछे बांधकर उसे पहाड़ी इलाके में ठिकाने लगाने जा रहा था।

साबित हो गया कि वे नाराज फूफा ही हैं, राहुल बोले थे- भारत में 80% लोग नॉनवेजेटेरियन

'कांग्रेस का ब्रिक्स खाने पर सवाल उठाना शर्मनाक'

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । यूपी में 5 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड वकीलों का इलाज अब सरकार कराएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाम प्रयागराज में कहा- वकीलों को 5 लाख का कैशलेस इलाज मिलेगा। उन्होंने 2 और भी बड़े ऐलान किए। सीएम शाम 4 बजे इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुंचे थे। योगी ने कहा- अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए जो भी प्रस्ताव हाईकोर्ट की तरफ से आएगा, उसमें सरकार पूरा सहयोग करेगी। इससे पहले अधिवक्ताओं ने जय श्रीराम का उद्घोष कर सीएम का स्वागत किया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमित सिंह 'सोनू' ने पहले सीएम के पैर छुए, फिर दंडवत हो गए। आज मैं हाईकोर्ट के अंदर जब प्रवेश कर रहा था, तो यहां पर युवा अधिवक्ताओं के चेहरे की चमक को देखा। एक अलग ही चमक थी। जब ऐसी चमक युवाओं के चेहरे पर देखता हूं तो यह महसूस करता हूं कि भविष्य उज्जवल है।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में 5.14 लाख रजिस्टर्ड वकील

सीएम ने कार्यक्रम में अधिवक्ता कक्ष भवन की सांकेतिक चाबी एसोसिएशन को सौंपी। करीब 700 करोड़ से बनी 2400 चैंबर्स वाली बिल्डिंग का उद्घाटन 31 मई 2025 को हो चुका है। हालांकि अभी आवंटन नहीं हुआ। चाबी मिलने के बाद आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। यूपी में इस समय 5 लाख 14 हजार 439 सक्रिय रजिस्टर्ड वकील हैं। यह जानकारी बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकीलों की पृष्ठभूमि से जुड़ी सुनवाई के दौरान सामने आई। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल और पुलिस महानिदेशक की रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इससे पहले शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं, पीआरडी जवानों और रसोइयों को 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा दे चुके हैं।

पाकिस्तान ने मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख किया

भारतीय संसद, पठानकोट-पुलवामा हमले में आरोपी

- पाकिस्तान ने 2021 में कहा- मसूद अफगानिस्तान भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने भारतीय संसद पर हमले के आरोपी जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपए कर दिया है।

पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (FIA) ने आतंकियों की नई रेड बुक में अजहर को एक बार फिर भगोड़ा घोषित किया है। यह कार्रवाई अक्टूबर में होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) की बैठक से पहले की गई। FIA ने अजहर को 2021 में भी भगोड़ा घोषित किया था और 50 लाख इनाम रखा था। मसूद अजहर भारत में संसद के अलावा 2016 पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 पुलवामा अटैक में भी आरोपी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कंधार विमान हाईजैक के बाद रिहा हुआ मसूद

24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस का काठमांडू से दिल्ली आ रहे विमान का अपहरण कर लिया गया। विमान को पहले अमृतसर, लाहौर, दुबई और कंधार पहुंचाया गया।

मसूद अजहर उस समय भारत की जेल में बंद था। वह हरकत-उल-अंसार से जुड़ा आतंकवादी था और 1994 में जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था।

कंधार पहुंचने के बाद हाईजैकर्स ने उसकी रिहाई की मांग की।

>> (शेष पेज 06 पर)

अहमदाबाद में बारिश के बाद स्कूल बस पानी में फंसी

केदारनाथ रूट पर बारिश-लैंडस्लाइड, एक की मौत

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

- यूपीः 70 जिलों में बारिश, लखीमपुर में महिला को नाले में खींच ले गया मगरमच्छ

नई दिल्ली। अहमदाबाद के शेला इलाके में एक स्कूल की बस पानी में फंस गई और बच्चों को सुरक्षित निकालने और उन्हें दूसरी बस से घर पहुंचाने की व्यवस्था करनी पड़ी। शहर में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच 3.5 इंच बारिश हुई है। देश के कई राज्यों में बारिश अब आफत बनती जा रही है। उत्तराखंड में जगह-जगह लैंडस्लाइड हो रही है। केदारनाथ के चीरबासा हेलिपैड के पास रविवार को पहाड़ से चट्टानें गिरने से 65 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी लैंडस्लाइड हुई, जिसके बाद यात्रा रोक दी गई है। भीमबली से केदारनाथ के बीच करीब 1,000 यात्री फंसे हैं। इनमें कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बिहार में 14 जिलों के 2,360 गांव बाढ़ की चपेट में हैं और 48 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

चर्चा : लोहिया भवन में चारों घटक दलों के पदाधिकारियों की बैठक, विपक्ष को जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए

संगठन की मजबूती पर जोर : राजभर

बृजेंद्र वीर सिंह

- एनडीए में तालमेल बढ़ाने की कवायद, राजभर बोले- संगठन की मजबूती पर जोर
- 28 सितंबर को ब्लॉक स्तर पर भी होगा समन्वय कार्यक्रम

तमस संकेत, अंबेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर सोमवार को लोहिया भवन में आयोजित एनडीए गठबंधन की सर्वदलीय संगठनात्मक परिचय एवं समन्वय बैठक में शामिल हुए। बैठक में गठबंधन के घटक दलों के पदाधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल और संगठनात्मक समन्वय पर चर्चा हुई। राजभर ने कहा कि बैठक का उद्देश्य गठबंधन में शामिल दलों के पदाधिकारियों को एक-दूसरे से परिचित कराना और संगठन स्तर पर आपसी समन्वय मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, अपना दल और निषाद पार्टी शामिल हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों पर पूछे गए सवाल के जवाब में राजभर ने उन पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव को शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों की चिंता नहीं है। राजभर ने कहा कि विपक्ष को जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। हाल में हुई एक आपराधिक घटना और उसके विरोध में नेताओं के प्रदर्शन पर राजभर ने कहा कि घटना दुखद है और पुलिस कार्रवाई कर रही है। उनके मुताबिक, घटना वाले दिन ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

चारों दलों के पदाधिकारियों का कराया परिचय

बैठक में जिले के चारों घटक दलों के पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। राजभर के अनुसार, इससे आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को आपसी तालमेल के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 28 सितंबर को प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर भी चारों दलों के पदाधिकारियों की परिचय एवं समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी।

अब शस्त्र भी उठाना होगा कहा अब शास्त्र के साथ शस्त्र भी धारण करना होगा, रायबरेली में शिव महापुराण कथा सुनने पहुंचे

जेनजी आंदोलन में आतंकियों की जय-जयकार हुई : राजा भैया

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली । प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक और जनसत्ता पार्टी के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के आंदोलन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन पर्चा लीक के मुद्दे पर हो रहा था, लेकिन वहां जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

राजा भैया ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भारत माता के विरोध में नारे लगाए गए और आतंकियों की जय-जयकार की गई।

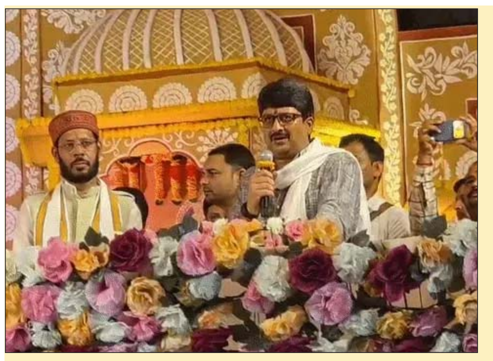

राजा भैया ने कहा कि मुझे प्रदर्शन के मुद्दे पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन प्रदर्शनकारियों की भाषा और व्यवहार पर सवाल है। प्रदर्शन के दौरान भारत मुर्दाबाद के नारे लगाए गए और आतंकियों की जय-जयकार की गई। इसे कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंदोलन को मिडिल ईस्ट, पाकिस्तान से फंडिंग मिल रही थी। राजा भैया ने यह बयान शनिवार को रायबरेली में दिया। वे ऊंचाहार में मंत्री मनोज पांडेय के यहां चल रही श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब शास्त्र के साथ शस्त्र भी धारण करना होगा। राजा भैया अपने बेटे शिवराज प्रताप सिंह के साथ कथा सुनने पहुंचे थे। उन्होंने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से आशीर्वाद भी लिया। इसके बाद उन्होंने मंच से दिल्ली के प्रदर्शन और मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों को लेकर अपनी बात रखी।

अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की शुरुआत व्यंग्यात्मक ऑनलाइन कैंपेन के तौर पर की थी। सोशल मीडिया पर अभियान वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में छात्र इससे जुड़ गए और यह छात्र आंदोलन में बदल गया।

जेनजी हमारी सभ्यता और संस्कृति से मेल नहीं खाता

राजा भैया ने 'Gen-Z' शब्द का जिक्र करते हुए कहा कि यह न तो हमारी सभ्यता से मेल खाता है और न ही हमारी संस्कृति और आदर्शों से। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान अभद्रता किए जाने का भी आरोप लगाया। राजा भैया ने प्रदर्शनकारियों की कथित फंडिंग पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें मिडिल ईस्ट, पाकिस्तान और यूरोप की विघटनकारी ताकतों से फंडिंग मिल रही थी। इसे समझाने के लिए उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए, प्रदर्शन दिल्ली में हो रहा है और प्रदर्शनकारियों के लिए पिज्जा और बर्गर का ऑर्डर लंदन से जोमैटो पर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, "लो ये पिज्जा खाओ, करना क्या है- भारत को गाली दो, भारतीयता को अपमानित करो।"

श्री शिव महापुराण कथा यूपी के मंत्री मनोज पांडेय करा रहे हैं। विधायक राजा भैया का उन्होंने स्वागत किया।

NEET-UG 2026 में पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद CJP ने 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन शुरू किया। छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, पेपर लीक की निष्पक्ष जांच और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले धरने में छात्र, अभिभावक और युवा शामिल हुए। सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में पहुंचे। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना खत्म कर इसे छात्रों की जीत बताया।

8वीं मंडल स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों का दमखम
विद्या ताइक्वांडो अकादमी ने पहला स्थान जीता

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर के पलहरी बाईपास, जैदपुर रोड स्थित आवासीय शिव राम सिंह इंटर कॉलेज में 8वीं मंडल स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप हुई। इसका आयोजन ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बाराबंकी ने सोमवार दोपहर 2 बजे किया। प्रतियोगिता में अलग-अलग टीमों के खिलाड़ियों ने जोश के साथ हिस्सा लिया और अच्छा खेल दिखाया।

चैंपियनशिप का उद्घाटन समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंशुमान सिंह यादव ने किया। इस मौके पर विद्यालय की प्रबंधक पूनम सिंह यादव, शिवसेना यूबीटी के प्रदेश महासचिव और ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बाराबंकी के अध्यक्ष मनोज मिश्रा 'विद्रोही' मौजूद थे। रिलायंस ग्रुप ऑफ कंपनीज बाराबंकी यूनिट के वरिष्ठ कर्मचारी उदय राज यादव और अंगद समेत कई दूसरे मेहमान भी वहां उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में विद्या ताइक्वांडो अकादमी बाराबंकी, इमरान गोरखपुर ताइक्वांडो अकादमी और आवासीय शिव राम सिंह इंटर कॉलेज की टीमों ने भाग लिया। विद्या ताइक्वांडो अकादमी बाराबंकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इमरान गोरखपुर ताइक्वांडो अकादमी दूसरे और शिव राम सिंह इंटर कॉलेज की टीम तीसरे नंबर पर रही।

समापन पर मेहमानों ने जीतने वाले और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाणपत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

फास्ट न्यूज

घाघरा के कटान में मंदिर-मस्जिद पर संकट

बाराबंकी। बाराबंकी के हेतमापुर में घाघरा नदी का तेज बहाव अब करीब 1100 साल पुरानी बाबा नारायण दास की तपोस्थली और 150 साल पुरानी 'मस्जिदे उमर' तक पहुंच गया है। कटान के खतरे के बीच गांव के हिंदू और मुस्लिम एक साथ खड़े हैं। मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोग दुआ कर रहे हैं कि मंदिर भी सुरक्षित रहे, जबकि हिंदू ग्रामीण मंदिर में प्रार्थना कर मस्जिद और पूरे गांव की सलामती मांग रहे हैं।

ऋतेश्वर महाराज ने काशी विश्वनाथ के दर्शन किए

वाराणसी। सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने बाबा विश्वनाथ से देश में सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि काशी भगवान शिव की नगरी है।

यहां आने का उद्देश्य देश की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करना है। उन्होंने 'हर हर महादेव, शंभू काशी विश्वनाथ गंगे' का जयघोष भी किया। राहुल गांधी के भारत में 80 प्रतिशत लोगों के मांस-मछली खाने वाले बयान पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी।

गोरखपुर में रंगरलियां मनाने रैन बसेरा पहुंचे दो युवक

गोरखपुर। गोरखपुर के शाहपुर इलाके में नगर निगम के रैन बसेरा में एक कार सवार महिला के साथ पहुंचे 2 युवकों ने जमकर बवाल काटा और हंगामा किया। युवक रैन बसेरे में एक कमरा किराए पर मांग रहे थे। इन्कार करने पर हंगामा करने लगे। तभी कई लोगों ने जुटकर एक युवक को पकड़ लिया। जबकि दूसरा युवक और कार सवार महिला हंगामा होते देख भाग गया।

सरकार को बस लाठी भांजना आता है:नेहा बोरा
गोरखपुर में जेन-जी महाजुटान में शामिल हुईं

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर में 23 दिन भूख हड़ताल करने वाली नेहा बोरा ने गोरखपुर में कहा कि उन्हें सरकार से ज्यादा उम्मीद नहीं है। सरकार युवाओं को शिक्षा और रोजगार देने के बजाय विरोध करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। सरकार को बस लाठी भांजना आता है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिए-शन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा सोमवार को Gen-Z महाजुटान कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। गोकुल अतिथि भवन में आइसा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र नेता, संगठन के कार्यकर्ता और स्कूली छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान कुछ छात्र मंच पर पहुंचे। उन्होंने अपने स्कूलों से जुड़ी समस्याओं की चिट्ठी नेहा बोरा को सौंपी। छात्रों ने शिक्षा,

रोजगार, छात्रवृत्ति, हॉस्टल और विश्वविद्यालयों में सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। उनकी समस्याएं सुनने के बाद नेहा बोरा ने भरोसा दिया कि इन मुद्दों को संगठन के मेनिफेस्टो में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं को लेकर आइसा अलग-अलग शहरों और विश्वविद्यालयों में अभियान चला रहा है।

नेहा बोरा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर अराजकता फैलाने और हिंदू-मुस्लिम के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं गोईठहां एसटीपी के पम्प समय से संचालित न करने पर हुई कार्रवाई

वाराणसी में जलभराव पर मंत्री ए.के. शर्मा की सख्ती

- नगर विकास मंत्री के वाराणसी भ्रमण के दौरान जलभराव पर जताई गई गहरी नाराजगी के उपरांत शासन ने की बड़ी कार्यवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को वाराणसी दौरे के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्था युद्धस्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान जलभराव की

जनता की सुविधा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, जिम्मेदारी में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई: मंत्री ए के शर्मा

स्थिति पर मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया था कि आमजन को जलभराव के कारण किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसी क्रम में चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं गोईठहां एसटीपी पर पम्पों के संचालन में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद शासन स्तर से कड़ी कार्रवाई की गई है।

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), वाराणसी के निर्माण खण्ड (वि0/यां0) में अधिशासी अभियंता के पद पर तैनात श्री पवन कुमार गुप्ता को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के प्रथम दृष्टया प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के साथ ही उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनिक जांच भी संस्थित की गई है। मुख्य अभियंता (क्रय), उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), लखनऊ को पदेन जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

आगणन सहित कार्ययोजना तैयार नहीं की गई

प्रथम दृष्टया यह तथ्य सामने आया कि श्री पवन कुमार गुप्ता द्वारा चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन में नदी के बैकफ्लो को रोकने के लिए आवश्यक गेट/बैरि-यर लगाए जाने के संबंध में आगणन सहित कार्ययोजना तैयार नहीं की गई तथा उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। इसके अतिरिक्त दिनांक 03 एवं 04 सितम्बर 2026 को चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन एवं गोईठहां एसटीपी पर स्थित पम्पों को बंद रखा गया।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान स्पष्ट रूप से कहा था कि जलभराव जैसी जनसमस्या में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि जल निकासी के लिए सभी पम्पिंग स्टेशनों एवं नालों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए तथा जहां कहीं भी कमी या लापरवाही सामने आए, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वाराणसी में इंडिगो फ्लाइट ले जाने से मना किया, यात्रियों का हंगामा

कान में दर्द हो रहा विमान नहीं उड़ाऊंगा : पायलट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को एक पायलट ने विमान उड़ाने से इनकार कर दिया। पायलट ने कान में दर्द और तबीयत खराब होने की बात कहते हुए विमान पर जाने से मना कर दिया।

इस बीच, 178 यात्री विमान में बैठ चुके थे। पायलट के विमान नहीं उड़ाने की बात पता चलते ही यात्री गुस्सा गए और हंगामा शुरू कर दिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने यात्रियों को काफी समझाया और उन्हें अगले विमान से भेजने की बात कही। इसके बाद वो शांत हुए। इसके बाद यात्रियों को करीब 6 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बाबतपुर

एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के साथ इस महीने यह दूसरी घटना है। इससे पहले बीते गुरुवार को भी मुंबई जाने वाले इंडिगो के विमान के पायलट ने अचानक तबीयत बिगड़ने का हवाला देकर उड़ान भरने से मना कर दिया था। उस समय भी हैदराबाद से आए दूसरे पायलट के चार्ज संभालने के बाद करीब 4 घंटे की देरी से विमान मुंबई रवाना हो सका था। पायलट दिन में 10 घंटे और दो पायलट क्रू-सेटअप होने पर 13 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं कर सकते। ऐसे ही रात में पायलट 8 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं कर सकते। जरूरत पड़ने पर पायलट की ड्यूटी डेढ़ से 2 घंटे बढ़ाई जा सकती है, लेकिन इसके बदले उन्हें जरूरी आराम देना होगा। एक घंटे तक के एक्सटेंशन में दोगुना और उससे ज्यादा में चार गुना आराम जरूरी होगा।

इस दौरान यात्रियों की एयरलाइंस कर्मियों के साथ तीखी नोक-झोंक भी हुई। मामला बढ़ता देख एयरलाइंस मैनेजमेंट ने वैकल्पिक व्यवस्था करना शुरु किया। दिल्ली से आ रही दूसरी फ्लाइट के जरिए पायलट को वाराणसी बुलाया गया। इसके बाद शाम 5:45 बजे फ्लाइट को बेंगलुरु के लिए रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों को करीब 6 घंटे तक परेशान होना पड़ा।

द सभी 178 यात्री विमान में बैठ चुके थे। इसी बीच पायलट ने कान में अचानक तेज दर्द होने की बात कहते हुए उड़ान भरने से साफ मना कर दिया।

सुबह 11:55 बजे जाने वाला था विमान

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6E 6559 को सुबह 11:55 बजे वाराणसी से बेंगलुरु के लिए रवाना होना था। सुरक्षा जांच और बोर्डिंग पास की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सभी यात्री विमान में बैठ गए थे। इसी बीच पायलट ने कान में अचानक तेज दर्द होने की बात कहते हुए ड्यूटी पर जाने से साफ मना कर दिया। यह पता चलते ही यात्रियों ने एयरलाइंस प्रशासन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ते देख एयरपोर्ट सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ की क्यूआरटी टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने यात्रियों को समझा-बुझाकर विमान से उतारा और टर्मिनल भवन (डी-बोर्ड) में बैठाया।

विश्व ओजोन दिवस पर बरेली कॉलेज में तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा Environment, Agriculture & Education Society (EAES), Bareilly के सहयोग से विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का सोमवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सचिव, प्रबंध समिति श्री देव मिश्री के संरक्षण तथा प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय एवं उपप्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में ओजोन परत के महत्व, उसके संरक्षण तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। कार्यक्रम के प्रथम दिन निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। बी.एससी., बीबीए एवं बीसीए के विद्यार्थियों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता, जबकि एम.ए. एवं एम.एससी. के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग

किया। दोनों प्रतियोगिताओं में लगभग 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपू-र्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने ओजोन परत के संरक्षण, ओजोन क्षरण के कारणों, पर्यावरण एवं मानव जीवन पर इसके प्रभाव तथा संरक्षण के उपायों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता यह दर्शाती है कि युवा पीढ़ी पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में भी पर्यावरणीय जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

खुदखुशी : हापुड़ में थाने में पहरे की ड्यूटी पर था, 15 दिनों की छुट्टी खत्म कर लौटा था

सिपाही ने सरकारी राइफल से गोली मारी, मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़ । हापुड़ में थाने में पहरा दे रहे सिपाही की सरकारी राइफल से गोली लगने से मौत हो गई। गोली उसके सीने में लगी है। गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। तब तक सिपाही की मौत हो चुकी थी।

रविवार सुबह करीब 11 बजे की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर धौलाना थानाक्षेत्र की है। एडिशनल एसपी ने बताया कि सिपाही ने सरकारी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सिपाही की पहचान आगरा के निबोहरा थानाक्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले आशीष वर्मा (23) के रूप में हुई है। वह 2025 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। अप्रैल 2026 में धौलाना थाने में पहली तैनाती मिली थी। शुरुआती जांच में सिपाही के मानसिक तनाव में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चर्चा है कि गोली मारने से पहले सिपाही ने किसी से फोन पर बात की थी। यह भी कहा जा रहा है कि उस पर काफी अधिक लोन था।

सिपाही आशीष वर्मा, मृतक

फोन पर बात के कुछ देर बाद चली गोली

साथी पुलिसकर्मियों के अनुसार, रविवार सुबह पहरे की ड्यूटी के दौरान आशीष फोन पर किसी से बात कर रहे थे। फोन कटने के कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी। थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। साथी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आशीष को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिपाही आशीष का परिवार आगरा के निबोहरा थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में रहता है। पिता त्रिभुवननाथ खेती करते हैं। मां राजकुमारी के अलावा परिवार में दो बहनें और एक भाई हैं। बड़ी बहन सुंदरी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन भावना और छोटा भाई संतोष पढ़ाई करते हैं। आशीष की अभी शादी नहीं हुई थी।

चाचा मुकेश कुमार ने बताया,रविवार सुबह थाने से फोन आया था। बताया गया कि आशीष ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। कहा गया कि वह तनाव में था। लेकिन उसे किस बात की परेशानी थी, इसकी जानकारी हम लोगों को नहीं है।

15 दिन की छुट्टी लेकर गांव गए थे

सिपाही आशीष वर्मा करीब 15 दिन की छुट्टी लेकर गांव हीरापुर गए थे। छुट्टी खत्म होने से 3 दिन पहले ही वह वापस लौट आए थे। हालांकि, उन्होंने तत्काल ड्यूटी ज्वाइन नहीं की थी और थाने के पुलिस क्वार्टर में रेस्ट किया था। साथी पुलिसकर्मियों के अनुसार, शुक्रवार को उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन की थी।

शनिवार को आशीष की ड्यूटी पिलखुवा चौराहे पर लगाई गई थी। यहां उन्हें वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारु रखने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद रविवार को वह थाने में पहरे की ड्यूटी कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश में केयर इकोनॉमी से खुलेंगे रोजगार के अवसर
बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजन की देखभाल बनेगी आजीविका का सशक्त माध्यम

- 12 विभाग मिलकर तैयार करेंगे रोड मैप
- समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण की अध्यक्षता में भागीदारी भवन में आयोजित हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और जरूरतमंदों की देखभाल को संगठित सेवाओं से जोड़कर रोजगार सृजन और महिला सशक्तीकरण का नया माध्यम बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई है। सोमवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में समाज

कल्याण विभाग की नोडल भूमिका में 'सतत केयर इकोनॉमी का निर्माण - देखभाल कार्य को पहचान, महिलाओं को सशक्तीकरण और समावेशी आजीविका के अवसर' विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रयासों से केयर इकोनॉमी उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन, बुजुर्गों व वंचितों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित होगी। कुशल देखभालकर्ताओं (Caregivers) में निवेश करके और डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाकर राज्य एक लचीला और समावेशी देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र बना सकता है। यह कार्यशाला व्यापक राज्य केयर अर्थव्यवस्था रोडमैप विकसित करने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगी।

इस कार्यशाला में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, श्रम, कौशल विकास तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण सहित कुल 12 प्रमुख सरकारी विभागों ने हिस्सा लिया।

डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में प्राइवेट व्यक्ति से सरकारी काम कराने का मामला

सरकारी कुर्सी पर निजी कर्मचारी !

जांच

- उद्योग विभाग के कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका पर उठे सवाल
- नियुक्ति और कार्य आवंटन के आदेश की जांच जरूरी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमस संकेत, अंबेडकरनगर। उद्योग विभाग के डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में एक प्राइवेट व्यक्ति के कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर काम करने का मामला सामने आया है। सरकारी कार्यालय में निजी व्यक्ति की इस भूमिका ने नियुक्ति प्रक्रिया और विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि संबंधित व्यक्ति से कार्यालय के कंप्यूटर संबंधी कार्य कराए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि उसे किस आदेश के तहत काम सौंपा गया है और क्या इसके लिए विभागीय स्तर पर कोई अधिकृत व्यवस्था है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्राइवेट व्यक्ति को कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका किस प्रक्रिया के तहत दी गई। क्या उसकी सेवाएं किसी अधिकृत एजेंसी के माध्यम से ली गई हैं या उसे सीधे कार्यालय में काम करने की अनुमति दी गई है। इसकी पुष्टि नियुक्ति, सेवा अनुबंध, कार्यादेश और अन्य संबंधित अभिलेखों से हो सकती है। इसलिए इन दस्तावेजों की जांच से स्थिति साफ हो सकती है। कंप्यूटर ऑपरेटर का काम केवल तकनीकी कार्य तक सीमित नहीं होता। सरकारी कार्यालयों में कंप्यूटर के माध्यम से आवेदन, विभागीय पत्राचार और अन्य रिकॉर्ड से जुड़े कार्य किए जाते हैं। ऐसे में यह भी जांच का विषय है कि संबंधित व्यक्ति को किस प्रकार के कंप्यूटर और विभागीय रिकॉर्ड तक पहुंच प्राप्त थी। जांच में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि निजी व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड तक पहुंच देने के लिए कोई अधिकृत अनुमति थी या नहीं। यदि ऐसी शिकायतें या साक्ष्य उपलब्ध हैं तो उनकी स्वतंत्र जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए। मामले में संबंधित व्यक्ति की नियुक्ति या तैनाती से जुड़े आदेश, सेवा प्रदाता या एजेंसी का विवरण, कार्य आवंटन और कार्यालय में उसकी वास्तविक भूमिका की जांच महत्वपूर्ण होगी।

> मामले में अवैध वसूली की आशंका से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि के लिए ठोस साक्ष्य और रिकॉर्ड की जरूरत होगी। केवल आरोप के आधार पर किसी अधिकारी या कर्मचारी को दोषी नहीं माना जा सकता।

विभागीय निगरानी भी जांच के घेरे में

कार्यालय में नियमित रूप से काम करने वाले निजी कर्मचारी की भूमिका से विभागीय अधिकारियों की निगरानी पर भी सवाल उठते हैं। जांच में यह देखा जाना चाहिए कि संबंधित अधिकारियों को उसकी तैनाती और कामकाज की जानकारी थी या नहीं। यदि उसे बिना किसी अधिकृत प्रक्रिया के सरकारी कार्य सौंपा गया है तो यह प्रशासनिक स्तर पर गंभीर अनियमितता का विषय हो सकता है।

नए सीडीओ होंगे वैभव मिश्रा आनंद शुक्ला का तबादला

कुशीनगर के एडीएम वित्त एवं राजस्व से मिली नई जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के विकास विभाग को नया नेतृत्व मिल गया है। रविवार देर रात हुए प्रशासनिक तबादलों में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला का स्थानांतरण कर दिया गया। शासन ने उन्हें विशेष सचिव रेशम विभाग के पद पर तैनात किया है। उनकी जगह कुशीनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वैभव मिश्रा को अंबेडकरनगर का नया मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

आनंद कुमार शुक्ला सितंबर 2024 से जिले में सीडीओ की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके कार्यकाल में विकास योजनाओं, ग्रामीण विकास और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों की निगरानी की गई। वैभव मिश्रा मूल रूप से पीसीएस अधिकारी रहे हैं। वह PCS-2008 परीक्षा के टॉपर रहे हैं। इसी वर्ष 30 जून को उन्हें आईएएस संवर्ग में पदोन्नति मिली।

आईएएस बनने के बाद अंबेडकरनगर में सीडीओ के रूप में यह उनकी पहली बड़ी तैनाती है। इससे पहले वह कुशीनगर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के पद पर कार्यरत थे। वैभव मिश्रा मूल रूप से प्रतापगढ़ के गजरिया गांव के रहने वाले हैं। पीसीएस परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने प्रशासनिक सेवा में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं। अब आईएएस संवर्ग में पदोन्नति के बाद उन्हें अंबेडकरनगर के विकास विभाग की कमान सौंपी गई है।

नए सीडीओ के सामने जिले में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति बनाए रखने की जिम्मेदारी होगी। ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की निगरानी और शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर लागू कराना भी उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल रहेगा।

शासन के तबादला आदेश के बाद अब वैभव मिश्रा के कार्यभार संभालने का इंतजार है।

फास्ट न्यूज

स्कूल का ताला तोड़ा, बैटरी-इन्वर्टर उड़ाए

अंबेडकरनगर। भीटी क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय बसोहरी में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया। 25 अगस्त की रात विद्यालय के कमरे का ताला तोड़कर चोरी की गई दो बैटरी और एक इन्वर्टर पुलिस ने बरामद कर लिया। मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

विद्यालय के एक कक्ष का ताला टूटा मिलने के बाद दो बैटरी और एक इन्वर्टर गायब मिले थे।

अतिक्रमण की शिकायत पर पहुंची पुलिस

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बनगांव रोड पर राजस्व भूमि पर कथित कब्जे की शिकायत करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। मौके पर पहुंचे कस्बा अकबरपुर चौकी के इंचार्ज सुरेंद्र बहादुर सिंह पर शिकायतकर्ता को हड़काने और जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करने का आरोप लगा है। इस दौरान शिकायतकर्ता को खींचने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है।

बताया गया कि शिकायतकर्ता ने रात में राजस्व भूमि पर कथित रूप से किए जा रहे कब्जे की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलने के बाद चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे।

फरियादियों की सुनी बात, अफसरों से मांगा जवाब

अंबेडकरनगर। सोमवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से फरियादी पहुंचे। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। संबंधित मामलों में अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपने-अपने प्रकरण पुलिस अधीक्षक के सामने रखे।

प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा

आरोप लगाकर परिजनों ने जताया विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नवजात के जन्म के बाद प्रसूता की तबीयत बिगड़ने और उपचार के दौरान मौत से नाराज परिजनों ने सोमवार को जलालपुर-नगपुर स्थित केएनएसएम अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर के सामने विरोध किया। परिजन शव को एंबुलेंस से उतारकर सड़क पर रखने और जाम लगाने की कोशिश कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया।

मुस्तफाबाद नगपुर निवासी अंजलि विश्वकर्मा पत्नी राकेश विश्वकर्मा गर्भवती थीं। परिजनों के अनुसार, उनका उपचार केएनएसएम हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में चल रहा था।

30 अगस्त को प्रसव के लिए अंजलि को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऑपरेशन के बाद बच्चे का जन्म हुआ। परिजनों के मुताबिक, इसके करीब तीन दिन बाद अंजलि की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में पानी पिलाए जाने के बाद अंजलि की तबीयत बिगड़ी। हालत गंभीर होने पर उन्हें अकबरपुर के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

परिजनों के अनुसार, वहां कई दिनों तक उपचार चला, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। सोमवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना के बाद परिजन शव लेकर एंबुलेंस से जलालपुर-नगपुर स्थित अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल के बाहर विरोध शुरू कर दिया।

कुर्की बाजार में मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप, बांस से हमला

शराब ठेके के पास कहासुनी के बाद मारपीट, बचाने पहुंचे युवक को भी पीटा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के कुर्की बाजार में रविवार रात मामूली कहासुनी के बाद हुए विवाद में 65 वर्षीय चिकन दुकानदार रामकिशुन की मौत हो गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद उन पर लाठी-डंडों और बांस से हमला किया गया। उन्हें बचाने पहुंचे बसंतलाल भी घायल हुए। गंभीर हालत में रामकिशुन को मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर से पीजीआई रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। कुर्की महमूदपुर निवासी रामकिशुन बाजार में शराब की दुकान के पास छप्पर डालकर चिकन की दुकान चलाते थे। रविवार रात करीब 8:30 बजे उनकी डब्लू यादव और पवन मौर्या से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। परिजनों का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर रामकिशुन पर हमला कर दिया। छप्पर में लगा बांस उखाड़कर भी मारने का आरोप है। बीच-बचाव करने पहुंचे बसंतलाल के साथ भी मारपीट की गई।

मारपीट में घायल रामकिशुन और बसंतलाल को परिजन मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर ले गए। रामकिशुन की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें पीजीआई रेफर कर दिया। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे आशाराम की तहरीर पर सम्मनपुर पुलिस ने डब्लू यादव, पवन मौर्या समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

दवा लेकर लौट रहे मामा-भांजे को बोलेरो ने रौंदा, दोनों की मौत

सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली और बिजली के खंभे से भिड़ी बोलेरो

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महरुआ क्षेत्र में दोस्तपुर मार्ग पर रविवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नसीरपुर के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार मामा-भांजे को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 18 वर्षीय शिवम पांडेय और उनके 35 वर्षीय मामा दुर्गा प्रसाद की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बोलेरो भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली, हैंडपंप और बिजली के खंभे से टकरा गई। चालक वाहन छोड़कर भाग निकला।

बुखार में दवा लेने गए थे शिवम

सेमरी, सुल्तानपुर निवासी शिवम इंटर के छात्र थे। वह महरुआ के बलईपुर नसेढ़ी में अपने मामा दुर्गा प्रसाद के घर रहकर पढ़ाई करते थे।

परिजनों के अनुसार, रविवार सुबह शिवम को बुखार था। शाम करीब छह बजे दुर्गा प्रसाद उन्हें बाइक से दवा दिलाने महरुआ ले गए थे। दवा लेकर दोनों घर लौट रहे थे। नसीरपुर के पास पीछे से आई बोलेरो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों लोग उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। सिर में गंभीर चोट आने से उनकी हालत बिगड़ गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। वहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। टक्कर के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली, हैंडपंप और बिजली के खंभे से जा टकराई।

टांडा पालिका अध्यक्ष पर कार्रवाई में देरी

प्रमुख सचिव पर पांच हजार का जुर्माना, हाईकोर्ट ने 90 दिन में कार्रवाई का दिया था आदेश

- अनुपालन न होने पर 22 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शबाना नाज के खिलाफ कार्रवाई के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत के पूर्व आदेश का अनुपालन न होने पर प्रमुख सचिव पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें 22 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

मामला नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच के बाद कार्रवाई न किए जाने से संबंधित है। मामले में सभासद मोहम्मद जाहिद ने कार्रवाई की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अदालत ने नौ सितंबर को प्रमुख सचिव को तलब किया था। सुनवाई के दौरान आदेश के अनुपालन की स्थिति सामने आई। इसके बाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की है। इस दिन प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। मामले में प्रमुख सचिव को इससे पहले भी याचिकाकर्ता को पांच हजार रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया जा चुका है। अब अदालत ने आदेश के अनुपालन में देरी को लेकर फिर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अब प्रमुख सचिव की व्यक्तिगत उपस्थिति के बाद अदालत में आदेश के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट होगी। टांडा नगर पालिका अध्यक्ष शबाना नाज के खिलाफ कार्रवाई के मामले में हाईकोर्ट के अगले आदेश पर नजर रहेगी।

90 दिन में कार्रवाई का था आदेश

याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ 90 दिन के भीतर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी आदेश का अनुपालन नहीं हुआ। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष अनुपालन न होने का मुद्दा उठाया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रमुख सचिव को तलब किया था।

> मामले की पृष्ठभूमि में नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत की जांच शामिल है। दी गई जानकारी के अनुसार, जिलाधिकारी स्तर से हुई जांच में अध्यक्ष को दोषी पाया गया था। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होने को लेकर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख किया।

चुनावी तैयारियों की कमान परखी गई डीएम ईशा प्रिया ने की शिरकत

33 जिलाधिकारियों के साथ चुनाव आयोग की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आगामी चुनावों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में लखनऊ में चुनाव आयोग ने प्रदेश के 33 जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। अंबेडकरनगर की जिलाधिकारी ईशा प्रिया भी इस बैठक में शामिल हुईं।

बैठक में जिलों में चुनाव प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों के साथ चुनाव प्रक्रिया को लेकर आवश्यक विषयों पर चर्चा हुई। लखनऊ में हुई बैठक में 33 जिलाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों का प्रतिनिधित्व किया। चुनाव आयोग ने जिलास्तर पर चल रही तैयारियों से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया।

अंबेडकरनगर की डीएम ईशा प्रिया की मौजूदगी में जिले से जुड़े चुनावी प्रशासन के पहलुओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक समन्वय और व्यवस्थाओं को लेकर विचार रखा गया।

बैठक का फोकस चुनाव से जुड़े प्रशासनिक प्रबंधों को व्यवस्थित रखने और संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय पर रहा। जिलाधिकारियों के साथ चर्चा के जरिए चुनावी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश और जानकारी साझा की गई। चुनाव आयोग की इस बैठक में डीएम ईशा प्रिया के शामिल होने से अंबेडकरनगर की चुनावी तैयारियों को भी राज्यस्तरीय समीक्षा के मंच पर रखा गया। बैठक के बाद जिले में चुनाव से संबंधित प्रशासनिक तैयारियों को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

हंसवर में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर क्षेत्र में रविवार देर शाम पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। बदमाशों की फायरिंग में हंसवर थाने में तैनात दरोगा रवि यादव के बाएं बाजू को छूकर गोली निकल गई। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। घायल दरोगा और दोनों घायल बदमाशों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी में भर्ती कराया गया है।

सीओ टांडा प्रदीप सिंह चंदेल के अनुसार, हंसवर पुलिस रविवार शाम शातिर अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि तीन बदमाश बाइक से बरही से काजीपुर बाजार की ओर नहर पटरी से जा रहे हैं।

सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने पुलिस की दो टीमों के साथ मंगताहिया, मजरा शेमउर खानपुर के पास नहर पटरी पर घेराबंदी की। पुलिस ने बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस के मुताबिक, बदमाशों की एक गोली दरोगा रवि यादव के बाएं बाजू को छूते हुए निकल गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान ढेकवा निवासी जीशान और जल्लापुर, आलापुर निवासी शिवम यादव के रूप में हुई।

मंजूरी : शिवरानाली से सैदापुर तक पांच किलोमीटर मार्ग का होगा चौड़ीकरण और मजबूतीकरण

3 मीटर की सड़क होगी 7 मीटर चौड़ी

- 14.92 करोड़ से बदलेगी एसएच-128 की सूरत
- विभागीय व्यय समिति ने दी मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

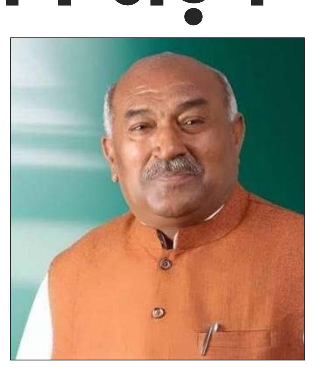

अंबेडकरनगर। अकबरपुर-चांद-पट्टी-देल्हूपुर मार्ग (एसएच-128) के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का रास्ता साफ हो गया है। शिवरानाली से ससपना जाफरगंज होते हुए सैदापुर तक पांच किलोमीटर सड़क को विकसित किया जाएगा। इसके लिए विभागीय व्यय समिति ने 14.92 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। शासनादेश जारी होने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद चयनित एजेंसी सड़क निर्माण का काम शुरू करेगी। फिलहाल इस मार्ग की चौड़ाई करीब तीन मीटर है। परियोजना के तहत इसे बढ़ाकर सात मीटर किया जाएगा। सड़क का चौड़ीकरण औद्योगिक कॉरिडोर की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना है। इससे शिवरानाली, ससपना जाफरगंज और सैदापुर क्षेत्र में आवागमन के लिए अधिक जगह मिलेगी। वाहनों की आवाजाही आसान होने के साथ मार्ग की उपयोगिता भी बढ़ेगी। परियोजना की कुल लागत 14.92 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 13.72 करोड़ रुपये सिविल कार्य पर खर्च होंगे। यूटिलिटी शिफ्टिंग और अन्य संबंधित कार्यों के लिए 86 लाख रुपये रखे गए हैं। रखरखाव के लिए 33.24 लाख, बिजली विभाग से जुड़े कार्यों के लिए 52.04 लाख और वन विभाग से संबंधित कार्यों के लिए 33.96 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। परियोजना को विभागीय मंजूरी मिलने के बाद अब शासनादेश जारी होने की प्रक्रिया है। इसके बाद टेंडर कराया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने पर चयनित एजेंसी पांच किलोमीटर मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूती-करण का काम शुरू करेगी।

एमएलसी के प्रस्ताव पर तैयार हुई परियोजना

लोक निर्माण विभाग की लॉजिस्टिक मार्ग योजना के तहत यह परियोजना एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय के प्रस्ताव पर तैयार की गई है। इसे वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल किया गया है। मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग नियोजन वर्ग, लखनऊ की ओर से 10 सितंबर को परियोजना की स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। इसके बाद 12 सितंबर को प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग की अध्यक्षता में विभागीय व्यय समिति की बैठक हुई। बैठक में परियोजना की जरूरत और वित्तीय व्यवस्था पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई।

आलू के दाम गिरे तो किसानों को मिलेगा सहारा

भाव स्थिरता योजना में ऑनलाइन आवेदन शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलू के बाजार भाव में गिरावट से किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार ने भामाशाह भाव स्थिरता योजना लागू की है। योजना के तहत पात्र किसानों को अनुदान की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके आधार लिंक्ड बैंक खाते में भेजी जाएगी। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसानों का एग्रीटेक पोर्टल पर पंजीकरण होना जरूरी है। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। योजना के तहत एक जुलाई से 31 अक्टूबर के बीच मंडियों में बेचे गए अच्छी गुणवत्ता के 30 से 80 एमएम आकार के आलू पर अनुदान देय होगा। किसान को मंडी में बिक्री का गेट पास और प्रपत्र-6 सुरक्षित रखना होगा। अनुदान की गणना इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर की जाएगी। प्रति किसान अधिकतम दो हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए योजना का लाभ मिलेगा। अनुदान की गणना अधिकतम 240 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक की उपज पर की जाएगी। सरकार की ओर से निर्धारित न्यूनतम उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत या उत्पादन लागत और बिक्री दर के अंतर में से जो राशि कम होगी, उतना ही अनुदान देय होगा। ऑनलाइन आवेदन करते समय किसानों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खसरा-खतौनी, मंडी गेट पास और प्रपत्र-6 की छायाप्रति की जरूरत होगी।

सम्पादकीय

ब्रिक्स की राह

ब्रिक्स का समापन जिस सहयोग भाव से हुआ, वह भारत के लिए भी एक उपलब्धि है और सदस्य देशों के लिए भी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अपना संयुक्त घोषणापत्र इसीलिए जारी कर सका, क्योंकि भारत सभी देशों के बीच संतुलन साधने में सफल रहा। यह सफलता इसलिए भी संभव हो सकी, क्योंकि सदस्य देशों ने सकारात्मक रवैये का परिचय देकर किसी सहमति पर पहुंचना आवश्यक समझा।

ब्रिक्स देशों की यह भावना ही इस संगठन के भविष्य की राह को सशक्त करेगी। ब्रिक्स सम्मेलन में चीन का रवैया भी उसके पारंपरिक चरित्र की तुलना में कहीं अधिक संयमित और सहयोग भाव वाला दिखा। इसके पीछे एक कारण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में हो रहा परिवर्तन भी है। बदलती परिस्थितियों में चीन ने ब्रिक्स को मजबूत बनाना आवश्यक समझा तो इसीलिए कि वह भी यह समझ रहा है कि एक वैश्विक विकल्प तैयार करने की आवश्यकता है। इस सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जो अनिश्चितता बनी हुई थी, वह न केवल समाप्त हुई, बल्कि चीनी राष्ट्रपति ने बहुपक्षीय विषयों के अलावा भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की। यह चर्चा इसलिए उम्मीद जगाती है, क्योंकि चीनी राष्ट्रपति ने मतभेदों का सम्मान करते हुए सहयोग भाव विकसित करने की बात कही। इस क्रम में भारतीय प्रधानमंत्री ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि किसी भी देश को दुर्लभ खनिजों और तकनीक को अपना हथियार नहीं बनाना चाहिए।

यह सीधे तौर पर चीन की ओर संकेत था। इस संकेत के बावजूद चीन की ओर से कोई नकारात्मक प्रतिक्रिया सामने न आना एक शुभ संकेत है। यदि ब्रिक्स को वास्तव में एक सक्षम संगठन बनाना है तो चीन के साथ-साथ रूस को भी भारत के प्रति लचीला रवैया अपनाना होगा। चीन और रूस के लिए यह भी आवश्यक है कि वे भारत के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए सक्रिय हों। ऐसा करके ही ब्रिक्स के ये तीनों प्रमुख स्तंभ ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे सदस्य देशों के साथ मिलकर ब्रिक्स को एक नया आकार दे सकते हैं। इसके जरिये ही वे ग्लोबल साउथ के हितों की रक्षा करने के साथ ही वैश्विक व्यवस्था को भी बहुध्रुवीय भी बना सकते हैं। इस पर चीन और रूस के दृष्टिकोण में कुछ भिन्नता भले ही हो, लेकिन वे भी भारत की तरह इन उद्देश्यों की प्राप्ति करना चाहते हैं। एक बेहतर विश्व की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब ब्रिक्स के सभी सदस्य देश अपने स्तर पर इस संगठन को सहयोग देने के लिए तत्पर रहेंगे। ब्रिक्स में विभिन्न विषयों पर जो सहमति बनी, उन्हें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इससे ही यह संगठन अपने समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सही तरह से सामना करने के साथ विश्व को राह भी दिखा सकेगा।

ध्यान दिवस

ध्यान एक प्रयोग है । यह प्रयोग धर्म के क्षेत्र में अन्वेषण को स्थान देता हैं । धर्म की खोज करो, वह माना हुआ नहीं , जाना हुआ सच हैं । केवल इन्द्रियों के स्तर पर धर्म को नहीं समझा जा सकता हैं । इन्द्रिय चेतना के स्तर पर धर्म की आवश्यकता और उपयोगिता का बोध नहीं होता । उसकी सार्थकता को समझने के लिए अतीन्द्रिय चेतना के स्तर पर जाना होता हैं । अतीन्द्रिय चेतना और अंतर्दृष्टि के विकास का माध्यम हैं ध्यान । ध्यान के द्वारा हम बाहरी वृत्तियों से हटकर अंतर्जगत में चले जाते हैं । वहां हमारी प्रतिभा का विकास होता है एवं अंतर्दृष्टि का विकास होता हैं । अंतर्दृष्टि के द्वारा धर्म को जाना जा सकता हैं । वैराग्य, तत्त्वविज्ञान , निग्रंथता , समचित्तता और परिषह - जय- ये ध्यान के पांच हेतु है , परिणाम हैं । यह प्राचीन भाषा हैं । आज की भाषा में ध्यान के पांच हेतु ये हो सकते हैं- 1 . तनावमुक्ति 2. मनः प्रसाद 3 . संवेग - नियंत्रण 4 . संतोष 5. अंतर्दृष्टि का विकास । गौतम ने केशी से कहा - धर्म की समझ और समीक्षा प्रज्ञा के द्वारा होती है । प्रज्ञा जाग गईं, धर्म समझ में आ जाएगा । प्रज्ञा नहीं जागी तो धर्म समझ में नहीं आएगा । यद्यपि बुद्धि और तर्क को अस्वीकार नहीं किया जा सकता , उनका भी सहारा लिया जाता हैं, किंतु वास्तविकता यह हैं कि बुद्धि और तर्क से परें हैं प्रज्ञा का विकास । प्रज्ञा जागरण का शक्तिशाली साधन हैं ध्यान । एक व्यक्ति वह होता हैं , जो अंतर्जगत को देखता हैं, चेतना के जगत को छूता हैं । उसका चिंतन होता हैं पदार्थ को जानने वाला आखिर कौन हैं ? वह चेतना ही हैं , जो पदार्थ को जान रही हैं , उपयोग में ले रही हैं । वह चेतना को अस्वीकार नहीं करता , उसे पर्दे के पीछे नहीं ढकेलता । वह चेतना के साथ चलता हैं और अंतर्मुखी बन जाता हैं । ध्यान का अर्थ ही हैं अंतर्मुखी होना, चेतन मन को सुलाकर अवचेतन मन को जगा देना । मनोविज्ञान की भाषा में बाह्य मनोवृतियों को सुलाकर आंतरिक चेतना को जागृत करना । एकाग्र होना , श्वास पर ध्यान देना , ये ध्यान के माध्यम हैं । मूल हैं हमारी चेतना का रास्ता बदल जाए । जो चेतना निरंतर पदार्थ की और जा रही हैं , वह पदार्थ से हटकर भीतर की और जाने लग जाए

› प्रदीप छाजेड़

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

"आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है।

सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच। जब तकनीक मानवीय करुणा से जुड़ेगी, सत्ता नैतिकता से बंधेगी और जनता अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होगी, तभी लोकतंत्र अपने आदर्श रूप को प्राप्त कर सकेगा। 'लोकतंत्र की असली विजय तब होगी, जब सबसे शक्तिशाली नागरिक और सबसे कमजोर नागरिक-दोनों को न्याय, सम्मान, अवसर और अपनी आवाज की समान कीमत महसूस हो। यही लोकतंत्र का सार है और यही उसके भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी भी।'

- ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी और शी ...

डॉ घनश्याम बादल

ब्रिक्स सम्मेलन के फलितार्थः दिल्ली की दस्तक, दुनिया के दिल तक

नई दिल्ली में दो दिन तक दुनिया की निगाहें टिकी रहीं। 21 देशों के ब्रिक्स परिवार के नेताओं की मौजूदगी में 18वां शिखर सम्मेलन समाप्त हो गया। मंच पर मुस्कुराते चेहरे थे, हाथ मिलाते नेता थे और बहुपक्षीय सहयोग के बड़े-बड़े संकल्प भी। लेकिन किसी शिखर सम्मेलन की सफलता का पैमाना तस्वीरें नहीं, उसके बाद बदलने वाले समीकरण होते हैं। अब असली सवाल यह है कि भारत ने ब्रिक्स की अध्यक्षता से क्या पाया, ब्रिक्स अपने उद्देश्यों की ओर कितना बढ़ा और नई दिल्ली से निकली यह कूटनीतिक ऊर्जा बीजिंग, मास्को, पश्चिम एशिया और अमेरिका तक कितनी दूर जाएगी?

भारत के लिए ब्रिक्स सम्मेलन को सफल मानने के पर्याप्त कारण हैं। आज दुनिया युद्धों, व्यापारिक प्रतिबंधों, बढ़ते संरक्षणवाद, ऊर्जा संकट और महाशक्तियों के टकराव से गुजर रही है। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर अलग क्षेत्रीय समीकरण वाले देशों के साथ-साथ रूस, चीन और भारत जैसे अपने-अपने हितों वाले देशों को एक साझा दस्तावेज लाने पर सहमत करना भारत की कूटनीतिक क्षमता का प्रमाण है। उसने ब्रिक्स को खुले तौर पर पश्चिम-विरोधी गठबंधन में बदलने से रोका। यह आसान नहीं था। नई दिल्ली घोषणा ने एकध्रुवीयता के बजाय बहुध्रुवीयता, वैश्विक संस्थाओं में सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी की बात की, लेकिन ब्रिक्स को नाटो जैसे राजनीतिक या सैन्य गुट में बदलने की दिशा नहीं अपनाई। यह भी भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मुद्दा भी आगे बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि घोषणा में चीन और रूस ने भारत तथा ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र में अधिक बड़ी भूमिका, जिसमें सुरक्षा परिषद की भूमिका भी शामिल है, के प्रति समर्थन दोहराया। सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाना भारत की विदेश नीति का पुराना लक्ष्य है और ब्रिक्स जैसे मंच पर चीन और रूस से सार्वजनिक समर्थन मिलना इसकी कूटनीतिक पूंजी बढ़ाता है। लेकिन यहीं से सफलता की सीमा भी शुरू हो जाती है।

ब्रिक्स ने वैश्विक व्यवस्था बदलने की इच्छा तो जताई है, पर उसे बदलने के औजार अभी सीमित हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, वैकल्पिक भुगतान व्यवस्था और डॉलर पर निर्भरता कम करने की चर्चा वर्षों से हो रही है। इस सम्मेलन में भी आर्थिक और वित्तीय सहयोग पर जोर रहा, लेकिन कोई ऐसी क्रांतिकारी व्यवस्था सामने नहीं आई जो रातोंरात वैश्विक वित्तीय ढांचे को बदल दे। 'डी-डॉलराइजेशन' की अतिरंजित दिशा से भी दूरी बनाए रखने की सावधानी ही भारत के लिए उचित है, क्योंकि अमेरिका आज भी उसका महत्वपूर्ण व्यापारिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदार है।

ब्रिक्स की दूसरी चुनौती उसका अंतर्विरोध है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। रूस पश्चिम से टकराव की स्थिति में है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव है। पश्चिम एशिया में सदस्य देशों के हित हमेशा एक जैसे नहीं हैं। ऐसे में सर्वसम्मति से बयान निकाल लेना उपलब्धि है, लेकिन साझा नीति बनाना उससे कहीं कठिन है।

नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात ने भारत-चीन संबंधों में संभावित नरमी की खिड़की खोली है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति, व्यापार, बाजार पहुंच और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की जरूरत पर बात की। शी से सात वर्ष बाद यह उच्चस्तरीय संपर्क महत्वपूर्ण है। लेकिन इसे संबंधों में 'रीसेट' कहना अभी जल्दबाजी होगी। सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और रणनीतिक अविश्वास अपनी जगह कायम हैं। चीन 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, इसलिए अब भारत की बनाई दिशा को बीजिंग किस रूप में आगे ले जाता है, यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

रूस के संदर्भ में भारत को इस सम्मेलन से लाभ मिला है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भी भारत ने मास्को से अपने संबंधों को बनाए रखा है। ब्रिक्स ने रूस को यह मंच दिया है कि वह पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने लिए वैकल्पिक वैश्विक साझेदारियां तलाश सके। भारत के लिए इसका अर्थ है कि रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक संबंध बनाए रखते हुए वह अमेरिकी और यूरोपीय साझेदारी भी जारी रख सकता है। पश्चिम एशिया में भारत की भूमिका भी इस सम्मेलन से मजबूत हुई है। ईरान, यूएई, मिस्र और सऊदी अरब जैसे देशों की मौजूदगी भारत को ऐसे क्षेत्रीय मंच में रखती है जहां उसके ऊर्जा, व्यापार और प्रवासी भारतीयों से जुड़े हित सीधे जुड़े हैं। यदि ब्रिक्स संवाद का मंच बनता है तो भारत अपनी पारंपरिक 'सबके साथ संबंध' वाली नीति को और उपयोगी बना सकता है। मध्य-पूर्व के मौजूदा संकट पर संयुक्त घोषणा इसी संभावना की ओर संकेत है।

अमेरिका और पश्चिम के साथ भारत के संबंधों पर भी इस सम्मेलन का असर होगा, बशर्ते कि यह टकराव के रूप में न देखा जाए ।

यूनिट के ...

राजेश राय

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 योजनातर्गत विकसित मॉडल ग्राम पंचायत बिल्हौर देहात

जनपद कानपुर नगर के विकास खण्ड बिल्हौर की ग्राम पंचायत बिल्हौर देहात में पंचायती राज विभाग के कुशल दिशा-निर्देशन में सिर्फ स्वच्छता का ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का भी उदाहरण बन चुकी है। ग्राम पंचायत में इंटीग्रेटेड अप्रोच पर विकसित किये गये प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट केन्द्र एवं आर०आर०सी० ग्रामीण स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरणीय स्वच्छता को भी संतुलित किया गया है, जिसमें ग्राम पंचायत में प्लास्टिक अपशिष्ट एवं ठोस अपशिष्ट का निपटान सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस परियोजना के प्रारम्भ होने से पूर्व ग्राम पंचायत में सड़क किनारे कूड़ा-करकट एवं नालियां प्लास्टिक आदि के कारण चोक हो जाती थीं एवं ग्राम में गन्दगी व्याप्त थी, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ खराब होने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत को ओ०डी०एफ० प्लस के मॉडल श्रेणी में ग्राम को विकसित किये जाने हेतु इस ग्राम पंचायत का चयन वित्तीय वर्ष 2022-23 में किया गया और वित्तीय वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत इटीग्रेटेड अप्रोच पर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट केन्द्र का भी निर्माण ग्राम पंचायत में किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 योजनान्तर्गत निर्धारित 16 लाख की धनराशि प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित किए जाने हेतु ग्राम पंचायत बिल्हौर देहात को प्राप्त हुई थी जिससे प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट शेड का निर्माण एवं फटका मशीन, बेलिंग मशीन एवं श्रेडिंग मशीन को जेम पोर्टल से नियमानुसार क्रय करते हुए संचालन प्रारंभ किया गया है। ग्राम पंचायत रमईपुर में विकसित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट को जनपद के 05 विकास खंड ककवन, चौबेपुर, शिवराजपुर, कल्यानपुर एवं बिल्हौर की समस्त ग्राम पंचायत में उत्सर्जित हो रहे प्लास्टिक के प्रबंधन हेतु मैप किया गया है। इस यूनिट पर विभिन्न विकासखंडों से कुल 40 टन प्लास्टिक अपशिष्ट ग्राम पंचायतो से प्राप्त किया गया है, जिसको फटका मशीन से सफाई करते हुए बेलिंग कर को-प्रोसेसिंग हेतु तैयार किया जा रहा है। यूनिट के संचालन हेतु स्वच्छ प्रवाह के साथ ग्राम पंचायत द्वारा 01 वर्ष पूर्व अनुबंध किया गया है जिसके द्वारा ग्राम पंचायत में प्राप्त प्लास्टिक एवं स्थानीय कबाड़ी वालो से अनुबंध कर प्लास्टिक अपशिष्ट को बिजनेस मॉडल के आधार पर सफल संचालन किया जा रहा है। अब तक ग्राम पंचायत में उक्त गतिविधियों से प्लास्टिक विक्रय से कुल रू0 72000/- से अधिक की धनराशि ग्राम पंचायत के ओएसआर में जमा की गई है। ग्राम पंचायत गीले कचरे से खाद तैयार किये जाने में भी अग्रणी रही है, पंचायत में निर्मित वर्मी कम्पोस्ट यूनिट एवं नाफेड के माध्यम से गीला कचरा तथा विशेष रूप से गोबर से उच्च गुणवत्ता वाली कम्पोस्ट खाद एवं वर्मी खाद को तैयार किया जाता है, जिसे रू0 15 से रू0 20 प्रति किलोग्राम की दर से बिक्री की जा रही है। ग्राम पंचायत की इस पहल से न केवल ठोस कचरे का प्रभावी ढंग से समुचित निपटान किया जा रहा है, बल्कि ग्राम पंचायत के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत का साधन भी है।

जरा हटके

महानगर में कार्य ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

शाहजहांपुर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान से स्वरोजगार और आत्म निर्भरता की ओर बढ़े युवाओं के कदम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' धरातल पर प्रभावी परिणाम दे रहा है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल का मुख्य ध्येय शिक्षित एवं तकनीकी रूप से प्रशिक्षित युवाओं को वित्तीय संबल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और संस्थागत मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना को गति देना है। इस योजना ने प्रदेश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी अंचलों में स्थानीय प्रतिभाओं को स्वरोजगार से जोड़कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वित्तीय संरचना की दृष्टि से यह अभियान नवोन्मेषी युवाओं के लिए एक सुगम और सुरक्षित आधारशिला प्रस्तुत करता है। योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना हेतु 5 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर शत-प्रतिशत ब्याज-मुक्त और संपार्श्विक प्रतिभूति (कोलेटरल) मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान का प्रावधान युवाओं की प्रारंभिक वित्तीय देनदारियों को सुगम बनाता है। इसके अतिरिक्त, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) का समस्त शुल्क प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाता है। प्रथम चरण के ऋण के सफल पुनर्भुगतान के उपरांत लाभार्थियों के लिए 10 लाख रुपये तक के उन्नत ऋण और 50 प्रतिशत तक ब्याज उपादान (सब्सिडी) की सुविधा भी निर्धारित की गई है। योजना की पात्रता शर्तों को अत्यंत व्यावहारिक और समावेशी रखा गया है। 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण युवा विनिर्माण, सेवा, व्यापार, फ्रेंचाइजी अथवा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' के माध्यम से अपनी उद्यमशीलता स्थापित करने के पात्र हैं। राज्य सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास मिशन, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण योजना अथवा मान्यता प्राप्त प्राविधिक एवं व्यावसायिक संस्थानों से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को इसमें प्राथमिकता प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार ने इस अभियान के तहत प्रतिवर्ष एक लाख युवाओं को वित्तपोषित करते हुए आगामी 10 वर्षों में 10 लाख नवीन सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने का प्रदेशव्यापी लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस प्रदेशव्यापी अभियान के क्रियान्वयन में जनपद शाहजहांपुर एक विशिष्ट और प्रेरक केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है। जिला प्रशासन ने योजना के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक सुव्यवस्थित कार्ययोजना लागू की है। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र तथा अग्रणी जिला बैंक के समन्वय से जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार और विकास खंड स्तरों पर नियमित जागरूकता, काउंसलिंग और पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन विशेष शिविरों के माध्यम से इच्छुक युवाओं को ऑनलाइन आवेदन, विस्तृत परियोजना आख्या (डीपीआर) तैयार करने तथा बैंकिंग औपचारिकताओं को पूर्ण करने की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। सक्रिय प्रशासनिक पर्यवेक्षण और वित्तीय संस्थाओं के सकारात्मक सहयोग के फलस्वरूप जनपद शाहजहांपुर में अब तक 2,607 युवाओं के ऋण प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि जनपद के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में उद्यमशीलता के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। स्वीकृत परियोजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-आधारित सेवाओं, सौर ऊर्जा उपकरणों, लघु विनिर्माण और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के उत्पादन से जुड़ी इकाइयों की स्थापना हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं की निरंतर प्रगति समीक्षा और त्वरित निस्तारण प्रक्रिया से पात्र युवाओं को समयबद्ध वित्तीय सहायता सुनिश्चित हो रही है।

जनपद शाहजहांपुर में योजना के व्यावहारिक प्रभाव और सामाजिक बदलाव का एक प्रेरक उदाहरण ग्राम पंचायत निकरा (ब्लॉक कांठ) के निवासी अभय सिंह की उद्यमशीलता यात्रा में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। हाईस्कूल तक शिक्षित अभय सिंह एक सामान्य ग्रामीण परिवार से आते हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों और पूंजी के अभाव के कारण वे अपने गृह जनपद में कोई स्वतंत्र कार्य आरंभ नहीं कर पा रहे थे। बेहतर आजीविका की खोज में उन्हें देश की राजधानी दिल्ली की ओर रुख करना पड़ा, जहां उन्होंने नरेला औद्योगिक क्षेत्र में लगभग तीन वर्षों तक सीमित पारिश्रमिक पर कठिन संघर्ष किया।

महानगर में कार्य करते हुए भी उनके मन में अपने क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की तीव्र इच्छा विद्यमान थी, किंतु परियोजना लागत जुटाने का कोई साधन न होना एक बड़ी बाधा बना रहा। परिस्थितियों-वश जब वे शाहजहांपुर लौटे, तब उन्हें जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' की जानकारी प्राप्त हुई। बिना किसी गारंटी के 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण और शासकीय अनुदान मिलने की सूचना ने उनके भीतर नई आशा का संचार किया। इसके उपरांत उन्होंने कहीं बाहर जाकर दूसरे शहर में श्रम करने के स्थान पर अपनी ही माटी पर उद्यम स्थापित करने का निर्णय लिया। अभय सिंह ने जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से आटा चक्की इकाई स्थापित करने हेतु विधिवत ऑनलाइन आवेदन किया। जिला प्रशासन और संबंधित बैंक शाखा के समन्वय से उनके प्रस्ताव को तकनीकी व वित्तीय रूप से उपयुक्त पाते हुए 5 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। प्राप्त वित्तीय संसाधन से उन्होंने आधुनिक तकनीक और सौर ऊर्जा से संचालित मशीनरी क्रय की और 'अभय सोलर आटा चक्की' नाम से उत्पादन कार्य प्रारंभ किया। आरंभिक दौर में बाजार में पहचान बनाना एक चुनौती थी, किंतु उन्होंने शुद्धता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण को अपने व्यवसाय का आधार बनाया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार की प्रतिबद्धता

निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, वृद्धजन व युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिकतर प्रकरणों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधित मुद्दे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी की समस्याएं, पुलिस कार्यवाही से सम्बन्धित, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मामले रहे

जन समस्याओं का निस्तारण भी होगा, सुविधाएं भी मिलेगी - केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ पर 'जनता दर्शन' के माध्यम से विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना तथा त्वरित, प्रभावी और न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कई सैकड़ा लोगों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए।

मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों में आवश्यक हो, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए और पीड़ितों को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आम जनता की भलाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित सर्वोपरि है। मौर्य ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार हर संभव कदम उठाएगी और कोई भी पीड़ित निराश न लौटे—यही प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गोवंश संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

लाभार्थियों को दी जा रही आर्थिक सहायता

तमसा संकेत, संवाददाता

- सीएम सहभागिता योजना के तहत 93,287 लाभार्थियों को 1,67,658 गोवंश किए गए सुपुर्द
- प्रदेश के 62 जनपदों में 39,721.541 हेक्टेयर गोचर भूमि कराई गई कब्जा मुक्त

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण के साथ ही उनके बेहतर पालन-पोषण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएम सहभागिता योजना के माध्यम से निराश्रित गोवंश को इच्छुक एवं पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द कर उनका संरक्षण और देखभाल सुनिश्चित किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव श्री मुकेश मेश्राम ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 93,287 लाभार्थियों को 1,67,658 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में निराश्रित गोवंश को सुरक्षित एवं बेहतर आश्रय उपलब्ध हुआ है। साथ ही ग्रामीण परिवारों को गोवंश के पालन-पोषण से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निराश्रित गोवंश की समस्या को कम करने के साथ-साथ गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को जनसहभागिता से प्रभावी बनाया जा रहा है। सीएम सहभागिता योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत लाभार्थियों द्वारा सुपुर्द किए गए गोवंश की देखभाल, चारा-पानी एवं संरक्षण की जिम्मेदारी ली जाती है।

फास्ट न्यूज

एलडीए फ्लैट खरीदने का आखिरी मौका

लखनऊ । एलडीए के खाली फ्लैट खरीदने के लिए चल रही पहले आओ-पहले पाओ योजना का आज, 14 सितंबर को आखिरी दिन है। जन्माष्टमी के मौके पर चार सितंबर से शुरू हुई इस योजना में चुनिंदा फ्लैटों की खरीद पर कीमत के हिसाब से एक लाख से ढाई लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। इच्छुक खरीदारों को फ्लैट की बुकिंग एलडीए की वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन करनी होगी।

लखनऊ के पारा में फिर से 19 भैंस पकड़ीं

लखनऊ। शहर में अवैध रूप से चल रही दूध डेयरियों और सड़कों पर घूमते मवेशियों के खिलाफ नगर निगम ने फिर कार्रवाई की है। सोमवार को नगर आयुक्त के निर्देश पर पारा थाना क्षेत्र के आलमनगर वार्ड स्थित कुमारपुरम में अवैध डेयरी से 22 पशुओं को जब्त किया। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान प्रवर्तन दस्ता, कैटिल कैचिंग टीम और स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा। मौके से 19 भैंस, 2 पड़वा और 1 पड़िया को पकड़कर ऐशबाग स्थित कांजी हाउस भेजा गया है।

युवक की गला रेतकर हत्या

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर में सोमवार सुबह 32 साल के युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव सड़क किनारे मौरंग के ढेर पर मिला। घटना सुबह करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ एसीपी और भारी पुलिस बल पहुंचा। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए।

रात्रि प्रवास कर उपनिदेशक ने जानी सर्वोदय विद्यालय की जमीनी हकीकत

कक्षाओं, छात्रावास और कैंटीन का निरीक्षण कर बच्चों से जाना हालचाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय बाराबंकी के तीरगांव में उपनिदेशक अमरजीत सिंह ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के साथ उन्होंने विद्यालय में रात्रि प्रवास भी किया। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं, कैंटीन और छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उपनिदेशक ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम के बाद संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए परिसर, छात्रावास और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता रखी जाए। कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता की जांच की, जो बेहतर मिली। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, दिनचर्या, समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक ने विद्यार्थियों की कॉपियां भी देखीं और उनकी शैक्षणिक प्रगति का जायजा लिया। विद्यालय में चल रहे बिजली मेंटेनेंस के कार्य का निरीक्षण करते हुए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित करने और काम को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

सीएम योग ने 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पीड़ितों की सुनीं समस्याएं

'हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकार'

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश, शीघ्रता से हो आमजन की शिकायतों का निस्तारण
- पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर सख्त हुए सीएम, बोले- हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर हो नियमसंगत कार्रवाई
- सीएम की बच्चों को सीख- मन लगाकर पढ़ो, अन्य रुचिकर गतिविधियों में भी हिस्सा लो

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर सीएम सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त नहीं होगी। हर मामले में दोषियों पर नियमसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ आए नन्हे-मुन्नों का हालचाल जाना। उनकी पढ़ाई और उनकी रुचि के बारे में भी पूछा। सीएम ने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ो और अन्य गतिविधियों (खेल, संगीत, कला आदि) में भी हिस्सा लो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सभी अधिकारियों को सतर्क रहने तथा लगातार अपने-अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करने के निर्देश

सेल्समैन पर कार्रवाई

30,000 रूपये लगा जुर्माना

- आबकारी मंत्री ने कम्पोजिट दुकान के सेल्समैन द्वारा नाबालिक लड़के को शराब बेचने का सोशल मिडिया पर प्रसारित वीडियों का लिया त्वरित संज्ञान
- ऐसे प्रकरण दुबारा संज्ञान में आने पर संबंधित के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई
- प्रदेश का आबकारी विभाग देश में अन्य प्रदेशों के लिए बन चुका है रोल मॉडल सभी मिलकर इस छवि को बनाये रखें-आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने लखनऊ की एक कम्पोजिट दुकान के सेल्समैन द्वारा एक नाबालिक लड़के को शराब बेचने का वीडिया सोशल मिडिया एक्स एवं अन्य प्लेटफार्म पर प्रसारित होने का त्वरित संज्ञान लेकर संबंधित के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। मंत्री जी के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ ने 11 सितम्बर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर प्रसारित वीडियो की जांच की, जिसमें एक नाबालिक बच्चे को शराब बेची जाने की बात कही जा रही है। यह वीडियों शुभौली थाना विकास नगर, लखनऊ में एक कम्पोजिट दुकान के सेल्समैन की एक व्यक्ति के साथ कहासुनी का है, जिसमें सेल्समैन द्वारा एक नाबालिक बच्चे को शराब बेचने की बात कही जा रही है। जांच में उक्त सेल्समैन का व्यवहार उचित नहीं पाया गया। अतः उक्त सेल्समैन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है और उक्त कम्पोजिट दुकान पर नियमानुसार प्रशमन की कार्रवाई कर 30,000 रुपए का जुर्माना आरोपित किया गया है।

आबकारी मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसे प्रकरण दुबारा संज्ञान में आने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। किसी भी रूप में यह सब बर्दाशत नहीं किया जायेगा कि प्रदेश में कहीं पर भी अवैध/जहरीली शराब की बिक्री हो, यह फिर कम उम्र के बच्चों को शराब परोसी जाये या उनकों बिक्री की जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य प्रदेश सरकार की नीतियों के विरूद्ध है और सरकार को बदनाम करने की कोशिश है, जोकि क्षमा योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में एवं उनकी पारदर्शी नीतियों के कारण विगत 4.5 वर्षो से अधिक समय से प्रदेश में कहीं पर भी अवैध/जहरीली शराब की बिक्री नहीं होने पायी, ना हि जहरीली शराब से किसी की मृत्यु होने का प्रकरण संज्ञान में आया है। इसके लिए सभी अधिकारी बधाई के पात्र है। उन्होंने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने तथा लगातार अपने-अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का आबकारी विभाग देश में अन्य प्रदेशों के लिए रोल मॉडल बन चुका है।

शोध और नवाचार पर फोकस करें कृषि विश्वविद्यालय : सूर्य प्रताप

कार्मिकों की नियुक्ति में अपनाई जा रही ढिलाई पर जताई कड़ी नाराजगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों को बदलती हुई जलवायु और बढ़ती जनसंख्या की पोषण मांग को ध्यान में रखते हुए नई प्रजातियों के विकास पर विद्यार्थियों से अधिक से अधिक शोध कराने चाहिए, जिससे प्रदेश में कृषि का सतत एवं धारणीय विकास सुनिश्चित हो सके और किसानों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार दिखाई दे। यह निर्देश उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि भवन सभागार में प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालयों द्वारा शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों की नियुक्ति में अपनाई जा रही ढिलाई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी रिक्त पदों के सापेक्ष नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरी तत्परता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप विशेष नई प्रजातियों को तैयार करने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करे। श्री शाही ने जोर देते हुए कहा कि फसलों की नई प्रजातियों के विकास में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि हमें खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा भी उपलब्ध करानी है। विकसित की जाने वाली प्रजातियां वैश्विक खाद्य सुरक्षा मानकों पर पूरी तरह खरी उतरनी चाहिए, ताकि प्रदेश के कृषि उत्पादों का निर्यात भी बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के सभी नौ कृषि जलवायु क्षेत्रों (एग्रो-क्लाइ-मैटिक जोन) की प रिस्थि तिय ों, सिंचाई के उपलब्ध साधनों तथा मौसम के बदलाव को ध्यान में रखकर अनुसंधान किए जाएं। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद से अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों के विकास पर विशेष बल दिया।

धरना : 'डबल इंजन' सरकार के पास युवाओं और कर्मचारियों के हक़ के लिए पैसे नहीं : संजय सिंह

29 विभागों का काम संभालने वाले पंचायत सहायकों को मात्र 6,000 देना शर्मनाक

तमसा संकेत, संवाददाता

विधायकों-सांसदों को लाखों की तनख्वाह-भत्ते और गाँव के टॉपर नौजवानों को 6,000 की भीख, क्या बीजेपी नेता अपने बच्चों से कराएंगे यह नौकरी?: संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार को लखनऊ के ईको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे 'पंचायत सहायक कर्मचारियों' के बीच पहुंचे और उनके आंदोलन को आम आदमी पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया। आंदोलनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सांसद संजय सिंह ने कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में पत्र सौंपा और प्रदेश की योगी सरकार व केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांवों में 29 विभागों की रीढ़ बनकर काम करने वाले पढ़े-लिखे नौजवानों को मात्र 6,000 रुपये का मानदेय देकर डबल इंजन सरकार उनका खुला शोषण कर रही है। सरकार को शर्म आनी चाहिए कि जो नौजवान अपने गांव का टॉपर है, उसे मजदूरी से भी कम पैसे दिए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पंचायत सहायकों को तत्काल 30,000 रुपये प्रतिमाह का सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। सांसद संजय सिंह ने मानदेय की विसंगति पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि एक विधायक या सांसद शपथ लेते ही लाखों रुपये का वेतन, गाड़ी भत्ता, मेडिकल सुविधा और करोड़ों की निधि पाने लगता है। 40 दिन के लिए भी कोई जनप्रतिनिधि बन जाए तो उसे आजीवन पेंशन मिलती है, लेकिन 40 साल तक जनता की सेवा करने वाले कर्मचारियों की पेंशन भाजपा सरकार ने छीन ली।

पूँजीपतियों की तिजोरी भरने वाली सरकार के पास नौजवानों के लिए सिर्फ जुमले और छलावा: संजय सिंह

संजय सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार के रोजगार के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कि हर साल 2 करोड़ नौकरी और यूपी में 13 लाख नौकरी देने का वादा करने वाले 'विश्वगुरु' नहीं, बल्कि जनता को बेवकूफ बनाने वाले 'गुरु घंटाल' साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश में 90 लाख करोड़ के तथाकथित इन्वेस्टमेंट समिट का दावा पूरी तरह झूठा है। उन्होंने कहा कि देश में 43 कंपनियों का 3 लाख 53 हजार करोड़ और बड़े-बड़े उद्योगपतियों का 17 लाख करोड़ रुपया माफ करने के लिए सरकार का खजाना खुला रहता है, लेकिन जब गरीब और मध्यम वर्ग के नौजवानों की बात आती है तो सीमा पर लड़ने के लिए 4 साल की 'अग्निवीर' योजना थोप दी जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश भर में 1 लाख सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए, 1.30 लाख स्कूलों में केवल एक शिक्षक है ।

अधिवक्ता परिवारों को मिलेगा बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जताया आभार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। उन्होंने इस निर्णय को अधिवक्ता समाज और उनके परिवारों की स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। आमजन के अधिकारों की रक्षा, जरूरतमंदों को न्याय दिलाने और कानून के शासन को मजबूत करने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में उनके साथ-साथ उनके परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से उन्होंने 2 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रदेश के अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए व्यापक बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। पत्र में जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव रखा गया था, ताकि बीमारी, दुर्घटना या किसी आकस्मिक परिस्थिति में अधिवक्ता परिवारों को आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पांच लाख रुपये की कैशलेस मेडिकल इंश्योरेंस सुविधा की घोषणा से गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य संकट के समय महंगे इलाज का खर्च अधिवक्ता परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं बनेगा।

राही की साहित्यिक विरासत को छात्रों से परिचित कराना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण शैक्षिक कार्य है

लखनऊ। मशहूर उर्दू नॉवेलिस्ट और स्क्रीनप्ले राइटर राही मासूम रज़ा के जन्म शताब्दी के मौके पर, हुसैनाबाद गवर्नमेंट कॉलेज, लखनऊ में कॉलेज स्टूडेंट्स की लिटरेरी ऑर्गनाइज़ेशन ₹बज़्म-ए-अदब₹ की तरफ से एक बड़ा लिटरेरी फंक्शन हुआ। फंक्शन के चीफ गेस्ट, जॉइंट डायरेक्टर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन (सेकेंडरी), गवर्नमेंट ऑफ़ उत्तर प्रदेश डॉ. प्रदीप कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राही मासूम रज़ा उर्दू, हिंदी और भारतीय सभ्यता में एक ऐसा सम्मानित नाम हैं, जिन्होंने अपनी रचनाओं के ज़रिए आज के इंसान और हमारी आम कल्चरल ज़िंदगी के अलग-अलग पहलुओं को खूबसूरती से पेश किया है। उनकी साहित्यिक सेवाएं नई पीढ़ी के लिए एक कीमती संपत्ति हैं।

गोंडा में बोले- पिता जी संसद पहुंचें, यहीं चाहता हूं, सुरक्षा के लिए 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती

विधायक प्रतीक भूषण ने 35 किमी पैदल चलकर जल चढ़ाया

जलाभिषेक

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह 35 किलोमीटर पैदल चलकर दुखहरण नाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने कजरी तीज के मौके पर रात 12 बजे मंदिर में जलाभिषेक किया।

प्रतीक भूषण ने कहा- मैं पिता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा हूं। पिछली बार एक केस के लिए भी मैंने कामना की थी, जिसे हम जीत गए। इस बार चाहता हूं कि पिताजी फिर संसद पहुंचें, इसलिए कांवड़ यात्रा कर रहा हूं। हमारे समाज में

सद्भाव बढ़े और लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाना बंद करें। आज इसकी बहुत जरूरत है।

कजरी तीज के मौके पर गोंडा के पृथ्वीनाथ और दुखहरण नाथ मंदिर में रात 12 बजे से सुबह 9:30 बजे तक करीब 20 लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इनमें बड़ी संख्या में नेपाल से आए श्रद्धालु भी शामिल रहे। दोनों मंदिरों में सुरक्षा के लिए 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

मैं तो स्वास्थ्य के प्रति सजग होने के लिए काफी दिन तैयारी कर रहा हूं। लगभग 30 दिन से मैं चलने की प्रैक्टिस कर रहा हूं तब मैं यहां पैदल चलकर आया हूं।

रात 12 बजे से शुरू हुआ जलाभिषेक

प्रदेश के सबसे बड़े मेलों में शामिल कजरी तीज मेले में सोमवार देर रात से आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रात 12 बजे से सोमवार दोपहर तक श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

एशिया के सबसे ऊंचे शिवलिंग वाले बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर और ऐतिहासिक दुःखहरण नाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जिले के अन्य प्रमुख शिवालयों बाबा कारोहानाथ, बालेश्वर नाथ और बरखंडी नाथ में भी लाखों लोगों ने जलाभिषेक किया।

बोले- पिछले घटनाक्रमों से दिल बहुत दुखी है

मैं चाहता हूं कि हमारे पूरे समाज में सद्भाव बढ़े। लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाना बंद करें, आज इसकी बहुत ज़रूरत है हमें। बीते दिनों में जो घटनाक्रम हुए हैं, मेरा दिल उससे बहुत दुखी है और यह कहीं नहीं होना चाहिए। मैं तो यह चाह रहा हूं कि इस बार समरसता आये, सबमें एकता हो और एक-दूसरे को ऊंचा और नीचा कहने वाले लोगों में थोड़ी लगाम लगे। उनके परिवार वाले और समाज वाले लगाम दें, इसकी कीमत हमारा समाज अब और नहीं चुका पाएगा। मैं चाहता हूं कि मेरे पिता और मेरे भाई संसद पहुंचे। हम इसलिए इस बार यह कांवड़ यात्रा कर रहे हैं।

कजरी तीज के मौके पर जलाभिषेक के लिए रात से लेकर सुबह तक भक्तों की लाइन लगी रही।

विधायक बोले- 16 साल से लगातार आ रहा

सदर से विधायक प्रतीक भूषण सिंह अपने निवास विश्नोहरपुर से 35 किलोमीटर पैदल चलकर करनैलगंज के सरयू घाट पहुंचे। यहां पर सरयू स्नान करने के बाद दुःखहरण नाथ मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। प्रतीक ने बताया कि 16 साल से यहां जलाभिषेक कर रहा हूं। पिछली बार की अपेक्षा जिला प्रशासन ने इस बार ज्यादा मेहनत की है। मैं सभी सरकारी कर्मचारी बंधुओं का धन्यवाद करूंगा। व्यवस्थाओं में लगे लोगों की वजह से आज 15 लाख से अधिक लोग यहां पर जल चढ़ा रहे हैं।

बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या की रोकथाम हेतु कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

> कारागारों में सुरक्षा के साथ-साथ बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुधार एवं पुनर्वास पर दिया जा रहा विशेष ध्यान
> -कारागार मंत्री श्री दारा सिंह चौहान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री श्री दारा सिंह चौहान ने सोमवार को कारागार मुख्यालय में आयोजित एक दिवसीय RISE (Reduce Inmate Suicide and Emotional Distress) कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रदेश की सभी 75 कारागारों से जेल अधीक्षक, जेलर एवं डिप्टी जेलर सहित कारागार विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी प्रतिभाग किया।

कारागार मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बंदियों में अकेलेपन, अवसाद एवं मानसिक तनाव को कम करने के लिए उनके साथ सरल एवं सहज तरीके से संवाद स्थापित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि काउंसलर्स द्वारा जेल स्टाफ के साथ समन्वय कर बंदियों की समस्याओं को समझना अधिक प्रभावी होगा, क्योंकि कारागार का स्टाफ बंदियों के दैनिक व्यवहार एवं गतिविधियों से निरंतर परिचित रहता है। इस प्रक्रिया से जहां कारागार कर्मियों का भी capacity building एवं empowerment होगा, वहीं बंदियों के सुधार एवं पुनर्वास को भी बेहतर दिशा मिलेगी।

कारागार मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कारागारों में बंदियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें विभिन्न त्योहारों का आयोजन, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ, योग, खेलकूद तथा विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम प्रमुख हैं।

फास्ट न्यूज

200 परिवारों पर मंडराया बेघर होने का खतरा

आगरा । आगरा के खंदारी स्थित बापू नगर में सिंचाई विभाग ने 200 से ज्यादा परिवारों को मकान खाली कराने के नोटिस थमा दिए हैं। नोटिस मिलते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और लोगों में बुलडोजर चलने का डर सता रहा है। सिंचाई विभाग का कहना है कि बापू नगर में बने ये मकान उसकी संपत्ति पर बने हुए हैं। लोगों ने नहर की जमीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण कर लिया है, इसलिए मकान खाली किए जाएं।

सपा विधायक ने एसीपी के सामने कंधे पर पट्टा रखा

कानपुर । कानपुर में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई सोमवार दोपहर सिरकी मोहाल चौकी के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने पुलिस पर युवक की पट्टे से पिटाई का आरोप लगाया है। उसे चोरी के मामले में पूछताछ के लिए चौकी लाया गया था। विधायक ने युवक का मेडिकल कराने और चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कंधे पर पट्टा रखकर पुलिस के खिलाफ विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यह पट्टा चौकी से ही मिला है। पुलिस के पास पट्टा कहां से आया। सूचना पर ACP अमित कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचे।

जयघोष के साथ आगरा में घर-घर विराजे गजानन

आगरा। गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ सोमवार से आगरा में गणेशोत्सव की शुरुआत हो गई। किसी ने अपने घर के लिए आकर्षक गणपति लिए तो किसी ने प्रतिष्ठान और पंडालों में स्थापना के लिए मूर्ति ली। सोमवार को विधि-विधान के साथ घरों और प्रतिष्ठानों में गणपति विराजमान हुए। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर सुबह 10 बजकर 59 मिनट से दोपहर 1 बजकर 27 मिनट तक स्थापना का शुभ मुहूर्त रहा।

दो महीने में ही 'धंसने' लगा लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे का भरोसा

बनी से आगे नहीं आ सकेंगे कानपुर की तरफ से आने वाले वाहन

तमसा संकेत, संवाददाता

सरोजनीनगर। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की सड़क धंसने के बाद अब नवनिर्मित एलीवेटेड रोड से मलबा गिरने की घटना ने एक्सप्रेसवे की निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बंथरा क्षेत्र की आजाद विहार कॉलोनी में रविवार देर रात रॉयल गेस्ट हाउस के सामने एलीवेटेड रोड की छत से अचानक मलबा नीचे गिरने लगा। सोमवार को खबर छपने के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों कानपुर तरफ से आने वाले वाहनों को बनी में रोड क दिया। उल्लेखनीय है कि बीती 13 जुलाई को केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं केन्द्रीय सड़क

परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा लखनऊ-कानुपर एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया गया था और इसे आवागमन के लिए 14 जुलाई से शुरू किया गया था। उद्घाटन के एक सप्ताह के बाद ही कानपुर से लखनऊ आने वाली पटरी की सड़क धस गई थी। यही नही उद्घाटन के दो माह पूरे भी नही हुए 13 सितम्बर की रात बंथरा थाना क्षेत्र की आजाद विहार कालोनी के सामने एलीवेटेड रोड का मलबा नीचे गिरने लगा। घटना की जानकारी होते ही राहगीरों ने इसकी सूचना एनएचएआई के अधिकारियों को दी। समाचार पत्र ने इस घटना को प्रमुखता से प्रकाषित किया। जिसका संज्ञान लेकर मौके पर पहुंचे एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। सूत्रों का कहना है कि जिस स्थान पर मलवा गिरा था वहां पर एलिवेटेड रोड भी धंस गई है। सोमवार सुबह एहतियातन एक्सप्रेसवे पर यातायात रोक दिया गया। कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को बनी से आगे नहीं आने दिया गया। एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के लिए शिवपुर में बनाया रैप को रोड ब्रेकर लगाकर बंद कर दिया गया। एक्सप्रेसवे के जिस हिस्से में सड़क धंसने की शिकायत सामने आई थी, वहां आईआईटी खड़गपुर के छात्रों ने सर्वे किया।

2 किमी दूर से दिखाई दिया धुएं का गुबार, आसपास का इलाका खाली कराया

फैक्ट्री में लगी भीषण आग

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद में सोमवार दोपहर लकड़ी की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धू-धूकर जलने लगी। आग की लपटें करीब 20 फीट ऊंची उठ रही थीं। करीब 2 किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार दिखाई दे रहा था। धुआं इतना ज्यादा था कि आसपास के लोगों को घुटन होने लगी। इसके बाद पुलिस ने आसपास का इलाका खाली करा दिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (CFO) डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि आग की भयावहता को देखते हुए रामपुर से भी दमकल की गाड़ियां बुलानी पड़ीं। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में थिनर, पेंट, केमिकल और सूखी लकड़ी रखी थी। इसकी वजह से आग तेजी से फैल गई।

आग बुझाने के लिए 15 फायर

टेंडर और करीब 30 फायर फाइटर्स की टीम लगाई गई। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में लकड़ी के सामान होने के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी हुई।

आग करीब 11 बजे आरएच इंटरनेशनल फैक्ट्री में लगी। यह कटघर थाना क्षेत्र में रामपुर दोराहे के पास है। फैक्ट्री के मालिक का नाम तस्लीम है। यहां लैंप, प्रीमियम कर्टेन रॉड्स, डिजाइनर

> **लकड़ी होने की वजह से आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को चपेट में ले लिया।**
> **फैक्ट्री धू-धूकर जलने लगी। आग की लपटें करीब 20 फीट ऊंची उठती रहीं।**
> **आग इसकी तेज थी कि 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार दिखाई दिया।**
> **आग बुझाने के लिए 15 फायर टेंडर और करीब 30 फायर फाइटर्स की टीम लगाई गई।**

फर्नीचर और मेटल हैंडीक्राफ्ट बनाए जाते हैं। इन सामानों की विदेशों में भी सप्लाई होती है।

प्रत्यक्षदर्शियों बोले- शॉर्ट सर्किट से आग की आशंका जताई

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब 11 बजे फैक्ट्री में अचानक धुआं दिखाई दिया। इसके बाद आग तेजी से फैल गई। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग सकती है। फैक्ट्री में मौजूद सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। हालांकि, आग लगने की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है।

टीचर को पीटा, गाजियाबाद में महिला ने बाल नोचे, डंडे-थप्पड़ मारे, गार्ड ने बचाकर फ्लैट तक पहुंचाया

डॉग लिफ्ट में ले जाने पर हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद की विंडसर पैराडाइज सोसाइटी में डॉग को लिफ्ट में ले जाने को लेकर दो महिलाओं के बीच मारपीट हो गई। आरोप है कि डॉग के साथ मौजूद महिला ने स्कूल टीचर को लिफ्ट में आने से रोका। विरोध करने पर उसने टीचर के बाल खींचे, डंडे से पीटा और कई थप्पड़ मारे।

सोसाइटी के गार्ड ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन विवाद नहीं थमा। बाद में वह खुद टीचर को लिफ्ट से फ्लैट तक लेकर गया। घटना शनिवार की है, जिसका CCTV फुटेज रविवार को सामने आया। पीड़ित महिला टीचर ने नंदग्राम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिना बारी अपने परिवार के साथ

विंडसर पैराडाइज-2 में रहती हैं। वह इंदिरापुरम के एक स्कूल में टीचर हैं। 12 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे वह स्कूल से लौटकर सोसाइटी पहुंचीं। हिना ने बताया कि लिफ्ट में श्वेता सूबे अपने पालतू डॉग के साथ पहले से मौजूद थीं। वह मुझसे बोली कि दूसरी लिफ्ट से जाओ। मैंने कहा कि मैं साइड में खड़ी हो जाऊंगी। जब मैंने लिफ्ट में जाने की कोशिश की, तो उन्होंने मुझसे बहस करना शुरू कर दिया। घटना के बाद हिना बारी ने नंदग्राम थाने में लिखित शिकायत दी। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी महिला के खिलाफ एफआईआर और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अपार्टमेंट्स और हाउसिंग सोसाइटीज के भीतर

पहले छड़ी से पीटा, फिर थप्पड़ मारे

पीड़िता के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर श्वेता ने छड़ी से मुझे मारा। जब मैंने उनको रोकने की कोशिश की, तो वो मुझे थप्पड़ मारने लगी और गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगी। घटना के दौरान सोसाइटी का गार्ड बीच-बचाव करने आया। लेकिन इसके बावजूद मारपीट जारी रही। CCTV फुटेज में दोनों महिलाओं के बीच हुई धक्का-मुक्की और मारपीट की घटना दिखाई दे रही है।

> **पुलिस सीसीटीवी फुटेज और शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। एनसीआर यानी गैर संज्ञेय मामले में केस दर्ज किया है। वहीं, घटना के बाद सोसाइटी में पालतू डॉग्स को लिफ्ट में ले जाने और इसको लेकर होने वाले विवाद का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है।**

पालतू कुत्तों को लेकर अक्सर टकराव देखने को मिलते हैं। लिफ्ट, पार्क या बच्चों के प्ले एरिया में कुत्तों के काटने या डराने जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं।

नगराम में चाकू से हमला कर हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

पारिवारिक विवाद में सास और चाची को किया घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगराम थाना पुलिस ने चाकू से हमला कर दो महिलाओं को घायल करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त धारदार लोहे का चाकू भी बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, ग्राम बलसिह-खेड़ा निवासी लल्ला प्रसाद ने 13 सितंबर को नगराम थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया गया कि रामतीर्थ ने चाकू से हमला कर अपनी सास और अपनी चाची को घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रामतीर्थ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी और आलाकत्ल की बरामदगी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से 14 सितंबर को आरोपी रामतीर्थ पुत्र राम मिलन निवासी ग्राम बलसिह-खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे का चाकू बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी करीब एक वर्ष से पारिवारिक विवाद के चलते मायके में रह रही थी। इसी विवाद को लेकर वह परेशान था। उसकी सास जब उसकी चाची के घर आई तो विवाद बढ़ गया और उसने गुस्से में दोनों महिलाओं पर चाकू से हमला कर दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

पब्लिक ट्रस्ट पर...

ऐसी झूठी शिकायतों को खारिज किया जाना चाहिए। ऐसी शिकायतें सिस्टम का और न्याय पाने के अभिलाषी ईमानदार व्यक्ति का समय खराब करती हैं। शिकायत प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले तत्वों से दूरी बनानी चाहिए। किसी संस्था को विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी गर्व व गरिमा के साथ विश्वास व्यक्त करे कि मेरी समस्या का समाधान होगा। संस्थाओं को मिले अधिकारों का दुरुपयोग न हो, इसे ध्यान में रखकर मेरिट तय हो और अनावश्यक शिकायत करने वालों पर शिकंजा भी कसा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक आयुक्त संगठन ने टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग किया है। उन्होंने बताया कि 2017 में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में सबसे अधिक शिकायत खाद्यान्न वितरण की आती थी। जनता दर्शन में 100 में से 60 शिकायतें पीडीएस की होती थी। इससे परेशान होकर लगातार हम बैठक करते थे, फिर हमने तकनीक का प्रयोग किया। ई-पॉस मशीन लगाकर उसे मुख्यालय पर स्क्रीन लगाकर जोड़ दिया। इसके बाद यदि 80 हजार राशन कोटे की दुकानों में किसी ने कुछ इधर-उधर किया तो तुरंत अलर्ट आ जाता है। इससे हेराफेरी की गुंजाइश शून्य हो गई। आज जनता दर्शन में 500 लोग आते हैं, लेकिन एक भी शिकायत इससे जुड़ी नहीं होती। सरकार बिना भेदभाव 16 करोड़ लोगों को राशन दे रही है। सिंगल डिलीवरी के मामले भी सुनिश्चित किए गए हैं। अब एफसीआई गोदाम से ट्रक को गंतव्य तक पहुंचने के दौरान उसे ट्रैक भी किया जाता है। अब राशन वितरण भी समुचित ढंग से होता है।

अब अधिवक्ताओं...

इसके साथ ही राज्य विधि अधिकारियों की फीस में भी 50 फीसदी से अधिक वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी पुलिस में 45 से 50 प्रतिशत पद खाली थे। व्यवस्था में पारदर्शिता-जवाबदेही, कानून-व्यवस्था और न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी चुनौती थे। वहीं अब पुलिस प्रशिक्षण क्षमता 3,000 से बढ़ाकर 60,000 कार्मिक प्रतिवर्ष की गई है। पहले 10 जनपदों में जिला अदालतें अस्थायी व किराए के भवनों में चलती थीं और अधिवक्ताओं के चैंबर जर्जर थे। अब 700 करोड़ रुपये की लागत से 10,000 से अधिक अधिवक्ताओं के लिए एडवोकेट चैंबर बनाए जा चुके हैं। उन्होंने अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि 1.5 लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये और अधिवक्ता के निधन पर परिजनों को आर्थिक सहायता की पात्रता आयु 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष करने की घोषणा की है।

पत्रकार तरुण...

महिला पत्रकार ने सबसे पहले तहलका की मैनेजिंग एडिटर शोमा चौधरी को ई-मेल भेजकर शिकायत की। इसमें उन्होंने लिखित माफी, पूरे स्टाफ के सामने घटना स्वीकार करने और आंतरिक यौन उत्पीड़न शिकायत समिति (ICC) गठित करने की मांग की थी।

मामला सार्वजनिक होने के बाद गोवा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर FIR दर्ज की और जांच शुरू की। जांच में CCTV फुटेज, ई-मेल और गवाहों के बयान समेत अन्य साक्ष्य जुटाए गए।

इसके बाद तेजपाल को 30 नवंबर 2013 को गिरफ्तार किया गया था। कई हफ्ते हिरासत में रहने के बाद उन्हें जमानत मिल गई थी।

6 अगस्त को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2013 के रेप मामले में तेजपाल को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने मापुसा की एडिशनल सेशंस कोर्ट के 2021 के बरी करने के फैसले को पलटते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी।

मापुसा की एडिशनल सेशंस कोर्ट ने मई 2021 में तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

कांग्रेस का ब्रिक्स...

ये सच था कि 2017 से पहले हमारे सामने चुनौती केवल संसाधनों की नहीं थी, चुनौती व्यवस्था के दृष्टिकोण की भी थी। प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही की भी। कानून व्यवस्था की भी चुनौती थी और न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर की भी चुनौती हम सभी के सामने थी।

न्याय व्यवस्था की पहली कड़ी पुलिस होती है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश पुलिस में करीब 45 से 50 प्रतिशत पद खाली थे। जब सरकार ने भर्ती प्रक्रिया शुरू की, तब पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने की क्षमता केवल 3 हजार थी। पुलिस के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं।

अब पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता बढ़ाकर 7 हजार पुलिसकर्मियों तक कर दी गई है। हर साल 7 हजार पुलिसकर्मियों को आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

अधिवक्ता समाज देश के प्रबुद्ध वर्ग का हिस्सा है। यह समाज की राय बनाने और लोगों के विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की आजादी की लड़ाई, संविधान निर्माण, शासन-प्रशासन चलाने और लोकतंत्र के सभी स्तंभों को मजबूत करने में अधिवक्ताओं का योगदान रहा है।

पाकिस्तान ने मसूद...

पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (FIA) ने मसूद अजर का नाम आतंकियों की रेड लिस्ट में रखा है।

पाकिस्तान पहले FATF की ग्रे लिस्ट में रह चुका है। इस दौरान उस पर आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का अंतरराष्ट्रीय दबाव था। अक्टूबर 2022 में FATF ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर कर दिया था। अब अक्टूबर में FATF की बैठक होने वाली है। ऐसे में मसूद अजहर जैसे आतंकी के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा पाकिस्तान के लिए अहम मानी जा रही है।इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिखाने की कोशिश कर सकता है कि वह आतंकवाद और आतंकी फंडिंग के खिलाफ कदम उठा रहा है।

मसूद अजहर जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक और प्रमुख है। संगठन को भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों ने आतंकी संगठन घोषित किया है।पाकिस्तान ने 2021 में दावा किया था कि मसूद अजहर उसके देश में नहीं है और वह अफगानिस्तान भाग गया है। उसी साल FIA ने अपनी रेड बुक में उसे भगोड़ा बताते हुए 50 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

कंधार विमान हाईजैक...

भारत ने 31 दिसंबर 1999 को आतंकि मसूद अजहर, अहमद उमर सईद शेख और मुश्ताक अहमद जरगर को रिहा किया। इनके बदले विमान में बंधक यात्रियों और क्रू को मुक्त कराया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के रिकॉर्ड में बताया गया कि मसूद अजहर ने 1999 में भारतीय जेल से रिहा होने के बाद जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना की। JeM भारत के खिलाफ सक्रिय प्रमुख आतंकवादी संगठन बन गया।

अहमदाबाद में बारिश...

राज्य की 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता से वाराणसी जा रहा राजमहल क्रूज भागलपुर में छह दिनों से फंसा है। क्रूज पर सवार 9 विदेशी समेत 11 पर्यटकों को रविवार को सुरक्षित निकाल लिया गया।

राजस्थान में आज 36 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम का असर 16 सितंबर तक रहने का अनुमान है। वहीं मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में तीन मानसूनी सिस्टम एक्टिव हैं।

संगठन की मजबूती...

राजभर ने कहा कि जब पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है, तब नेताओं को घटनास्थल पर जाकर ऐसा कोई प्रयास नहीं करना चाहिए जिससे माहौल प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही रोकती है।

फैंस ने चोर कहकर चिढ़ाया, विमेंस एशिया कप में स्मृति-शेफाली का पार्टनरशिप रिकॉर्ड

भारत ने पीसीबी चीफ से फिर ट्रॉफी नहीं ली

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने विमेंस एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर 8वीं बार खिताब जीता। हालांकि, प्रेजेंटेशन सेरेमनी में टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस दौरान फैंस ने नकवी को 'चोर' कहकर भी चिढ़ाया।

मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत विरोधी बयान दिए थे। इस वजह से 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने उनके हाथों एशिया कप की ट्रॉफी नहीं ली थी। अब भारतीय विमेंस टीम ने उसी स्टैंड पर कायम रहते हुए नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। मैच में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी की। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 32 छक्के लगाए। भारतीय पारी के पांचवे ओवर में थ्रो फेंकने के दौरान श्रीलंकाई फील्डर विश्मी गुणरत्ने का दायां टखना बुरी तरह मुड़ गया। वे दर्द से कराहते हुए मैदान पर गिर पड़ीं। इसके बाद फिजियो को बुलाया गया। जांच के बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। इस बीच खेल रुका रहा। हालांकि वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरीं।उन्होंने 20 रन बनाए। 14वें ओवर में स्मृति सिंगल लेने के चक्कर में रन आउट हो गईं। हरमनप्रीत कौर के कट शॉट पर दोनों बैटर्स ने रन चुराने की कोशिश की। इस बीच पॉइंट से कवीशा दिलहारी ने थ्रो किया और विकेटकीपर ने गिल्लियां बिखेर दीं।

> भारत ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी और मेडल लेने से इनकार कर दिया। नकवी प्रेजेंटेशन सेरेमनी में मंच पर पहुंच गए थे। उन्होंने श्रीलंकाई टीम को मेडल दिए और कप्तान चमारी अटापट्टु को रनर-अप चेक भी दिया। बाद में प्रेजेंटेशन खत्म कर दिया गया।

'ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला बीसीसीआई का'

भारतीय महिला टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला BCCI ने लिया है और हम फैसले के साथ हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट खत्म हो चुका है। हम चैंपियन हैं। हमारे लिए इतना ही काफी है। अब हमारा ध्यान एशियन गेम्स पर है। मुझे टीम के हर खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ पर गर्व है।'

बीसीसीआई ने दिए थे दो विकल्प

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय टीम नकवी से ट्रॉफी लेने के पक्ष में नहीं थी। बोर्ड ने प्रेजेंटेशन सेरेमनी के लिए दो विकल्प सुझाए थे। पहले विकल्प में ACC के डिप्टी चेयरमैन खालिद अल जरूनी को ट्रॉफी देने का प्रस्ताव था। दूसरे विकल्प में हाल की परंपरा के अनुसार विजेता बोर्ड के प्रतिनिधि से ट्रॉफी दिलाने की बात कही गई थी। नकवी को दोनों विकल्प मंजूर नहीं थे।

■ पिछले साल भारतीय मेंस टीम ने भी नकवी से ट्रॉफी नहीं ली थी। तब सूर्यकुमार यादव ने खाली हाथ ही ऐसा जेस्चर बनाया, मानो वे ट्रॉफी लेकर आ रहे हों।

रूस के नेपोम्नियाश्ची ने नंबर-1 कार्लसन को हराया

गेंजेस ग्रैंडमास्टर्स ने ग्लोबल चेस लीग का खिताब जीता

बेंगलुरु । बेंगलुरु में रविवार को ग्लोबल चेस लीग के फाइनल में गेंजेस ग्रैंडमास्टर्स ने एल्पाइन APL पाइपर्स को 7-5 से हराया। इस जीत में इयान नेपोम्नियाश्ची ने मैग्नस कार्लसन को मात देकर अहम भूमिका निभाई।

दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी कार्लसन को लीग में दो दिन में दूसरी हार मिली। कार्लसन इससे एक दिन पहले अलीरेजा फिरोज्जा से हारे थे। इसके बाद फाइनल में उन्हें गेंजेस ग्रैंडमास्टर्स के रूसी खिलाड़ी नेपोम्नियाश्ची ने हराया।

एल्पाइन APL पाइपर्स पिछली बार की चैंपियन टीम थी। हालांकि, जब पिछली बार यह टूर्नामेंट मुंबई में हुआ था, तब कार्लसन इसमें नहीं खेले थे। टीम फाइनल के पहले सेट में कार्लसन ने काले मोहरों से नेपोम्नियाश्ची के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। दूसरे सेट में कार्लसन सफेद मोहरों से खेल रहे थे और जीत की

स्थिति में दिखाई दे रहे थे।

नेपोम्नियाश्ची ने इसके बाद जाल बिछाया। काफी समय बचा होने के बावजूद कार्लसन उसमें फंस गए। नेपोम्नियाश्ची ने तुरंत बाजी पलट दी। उन्होंने बढ़त हासिल की और टीम के लिए अहम जीत दर्ज की। इस जीत से गेंजेस ग्रैंडमास्टर्स ने चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।

ग्लोबल चेस लीग एक टीम-बेस्ड शतरंज प्रतियोगिता है, जिसमें दुनिया के कई बड़े शतरंज खिलाड़ी अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हैं। इसमें मेंस और विमेंस खिलाड़ी एक ही टीम का हिस्सा होते हैं।

श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे ने 91.09 मीटर भाला फेंका

वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में जीता गोल्ड, अरशद नदीम पांचवें स्थान पर

नई दिल्ली। श्रीलंका के जेवलिन थ्रोअर रुमेश पाथिरागे ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। रविवार को बुडापेस्ट में आयोजित चैंपियनशिप में उन्होंने 91.09 मीटर का थ्रो किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.18 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे और जर्मनी के जूलियन वेबर 85.89 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अर्शद नदीम 81.49 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे। पाथिरागे ने तीसरे प्रयास में 87.11 मीटर का थ्रो कर फाइनल राउंड में जगह बनाई। इससे पहले उन्होंने पहले प्रयास में 75.89 मीटर और दूसरे में 85.69 मीटर का थ्रो किया था।

नए फॉर्मेट के अनुसार, तीन

प्रयासों के बाद टॉप-4 थ्रोअर फाइनल राउंड में पहुंचते हैं। पाथिरागे ने तीसरे प्रयास में 87.11 मीटर का थ्रो कर टॉप-4 में जगह बनाई।

पाथिरागे का 2026 सीजन शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 12 टूर्नामेंट में से 11 में जीत दर्ज की है। इससे पहले रोम में उन्होंने 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था, जबकि ज्यूरिख में 92.07 मीटर की दूरी के साथ जीत हासिल की थी। यह इस सीजन में उनका तीसरा 90 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम 81.49 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे। यह इस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सीजन बेस्ट 78.63 मीटर था, जो उन्होंने 31 जुलाई को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन राउंड में हासिल किया था। वह क्वालिफिकेशन में सातवें स्थान पर रहे थे।

कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में नदीम का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 77.41 मीटर रहा। उनका पहला प्रयास फाउल रहा, जबकि तीसरे प्रयास में उन्होंने 75.39 मीटर का थ्रो किया।

अभिषेक ने 12वीं बार 25 से कम बॉल पर फिफ्टी लगाई बुमराह के 350 विकेट

वंदे मातरम से शुरू हुआ भारत-अफगान टी-20

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी-20 में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। रविवार को क्रिकेट में पहली बार वंदे मातरम गाया गया। टॉस के दौरान श्रेयस अय्यर ने अफगान कप्तान इब्राहिम जादरान को टीम इंडिया की जर्सी दी।

भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह ने टी-20 में 350 विकेट पूरे किए। अभिषेक शर्मा ने 22 बॉल पर फिफ्टी लगाई। उन्होंने 32 गेंद में 82 रन बनाए। अभिषेक ने12वीं बार 25 या उससे कम बॉल पर फिफ्टी लगाई।

टॉस के समय भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान को टीम इंडिया की जर्सी दी। इसी समय 3 मैचों की टी-20 सीरीज की ट्रॉफी और टॉस का सिक्का भी कैमरे पर दिखाया गया। इस सीरीज की खास

बात यह है कि मैच भारत में होने के बावजूद अफगानिस्तान टीम होस्ट है।

अजमतुल्लाह उमरजई ने 64 रन की पारी खेली। उनका यह स्कोर भारत के खिलाफ किसी अफगान बल्लेबाज का संयुक्त रूप से सबसे बड़ा टी-20 स्कोर है। इससे पहले इब्राहिम जादरान ने 2022 में भारत के खिलाफ 64 रन बनाए थे।

उमरजई का यह स्कोर भारत के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। उनसे आगे श्रीलंका के दसुन शनाका हैं, जिन्होंने 2022 में धर्मशाला में 74 रन बनाए थे।

अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। यह उनका टी-20 इंटरनेशनल में 12वां अर्धशतक था। इस फिफ्टी के साथ अभिषेक के टी-20 इंटरनेशनल में 14, 50+ स्कोर हो गए। इनमें 12 बार उन्होंने 25 या उससे कम गेंद में 50+ बनाया है। इस मामले में कोई दूसरा बल्लेबाज उनके बराबर नहीं है। सूर्यकुमार यादव 9 बार के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर मोहम्मद नबी की गेंद पर आउट हुए। लॉन्ग ऑन पर राशिद खान ने दौड़ते हुए शानदार कैच लिया और 82 रन की पारी खत्म की।

बाउंड्री पर कैच लेने के बाद राशिद खान अपने साथी सेदिकुल्लाह अटल के साथ सेलिब्रेट करते हुए।

> जसप्रीत बुमराह ने टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने मैच के पहले ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। बुमराह टी-20 में 350 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज हैं। उनसे पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार यह कारनामा कर चुके हैं।

पहली बार क्रिकेट में वंदे मातरम गाया गया

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मैच से पहले वंदे मातरम गाया गया और उसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन हुआ। भारतीय क्रिकेट में ऐसा पहली बार देखने को मिला। 28 जनवरी को गृह मंत्रालय की ओर से जारी दिशानिर्देशों में कहा गया था कि अगर वंदे मातरम और जन गण मन दोनों गाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम और उसके बाद राष्ट्रगान होना चाहिए।

मनोरंजन

पिछले साल गोविंदा के साथ जमकर थिरकी थीं, राधिका मर्चेंट- अनंत अंबानी समेत कई सेलेब्स ने किया बप्पा का स्वागत

सुनीता आहूजा अकेली गणपति घर लाईं

नई दिल्ली, एजेंसी

गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले रविवार को सुनीता आहूजा गणपति बप्पा को घर लेकर आईं। इस दौरान वह अकेली ही ढोल की थाप पर डांस करती नजर आईं। सुनीता आहूजा के ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। फैंस ने सवाल किया कि इस खास मौके पर गोविंदा और उनके बच्चे उनके साथ क्यों नजर नहीं आए।

सुनीता आहूजा के अलावा बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने भी गणेशोत्सव को धूमधाम से मनाया। शिल्पा शेट्टी, हंसिका मोटवानी और धनश्री वर्मा समेत कई सितारों ने अपने घरों में गणपति बप्पा की स्थापना की और पूरे उत्साह के साथ गणेशोत्सव मनाया।

अमिताभ बच्चन भी हर रविवार की तरह इस बार भी फैंस से मिलने जलसा के बाहर आए। इस दौरान उन्होंने सफेद कुर्ते के साथ गणपति बप्पा मोरेया लिखा हुआ पटका पहना था। गोविंदा की पत्नी सुनीता का भी बप्पा के आगमन का जश्न मनाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि इस दौरान न गोविंदा दिखे और न ही उनके बच्चे। उन्होंने इस दौरान चप्पल भी नहीं पहन रखी थी।

दरअसल, पिछले साल गोविंदा और सुनीता आहूजा के रिश्ते में अनबन और तलाक की चर्चाओं ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि, गणेशोत्सव के दौरान दोनों साथ नजर आए थे। साथ आने और गणेश विसर्जन पर जमकर थिरकने पर तलाक की खबरों पर विराम लग गया था। ऐसे में इस बार गणपति बप्पा के स्वागत के दौरान गोविंदा की गैरमौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा है।

बता दें कि बीते साल दिसंबर में सुनीता ने गोविंदा से तलाक के लिए बांद्रा फैमिली कोर्ट में अर्जी डाली थी, हालांकि उन्होंने कुछ समय पहले ही वो अर्जी वापस ले ली है। ये फैसला तब सामने आया, जब गोविंदा लगातार मराठी एक्ट्रेस रानी स्वर्णकर के साथ स्पॉट हो रहे थे।

> हर साल की तरह इस साल भी अंबानी परिवार ने भव्य तरीके से गणपति बप्पा का स्वागत किया। राधिका मर्चेंट भांजे को गोद में लिए हुए बप्पा के दर्शन करने पहुंचीं। अनंत अंबानी भी साथ मौजूद रहे।

नीलम ने गोविंदा संग रिश्ते की अफवाहों पर रिएक्शन दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में गोविंदा के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं थीं, तब वह बहुत छोटी थीं और उन्हें गोविंदा की शादी की जानकारी नहीं थी।

नीलम ने यह बात टाइम्स नाउ के इंटरव्यू में कही। गौरतलब है कि नीलम कोठारी और गोविंदा ने 1980 के दशक और 1990 के शुरुआती वर्षों में कई फिल्मों में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अफवाहें वर्षों तक चलती रहीं। इस पर नीलम ने कहा, "मुझे नहीं पता। सबसे पहले तो मैं उस समय बहुत छोटी थी। अब मुझे पता चला है कि शायद उस वक्त उनकी शादी हो चुकी थी।" वहीं, नीलम के पास बैठे पति समीर सोनी ने गोविंदा को लेकर कहा, "वह बहुत अच्छे इंसान हैं। जब भी मैं उनसे मिला हूं, वह बहुत गर्मजोशी से मिले हैं।" समीर ने यह भी कहा, "जो बात 20 साल पहले हुई भी हो सकती है और नहीं भी, उसके बारे में मुझे पता ही नहीं, तो मैं उसे लेकर कैसे बैठ सकता हूं? वह अब भी दावा करते हैं कि वह तुमसे बहुत प्यार करते थे।"

■ बोलीं- उस समय मैं बहुत छोटी थी, उनकी शादी की जानकारी बाद में मिली

भगवान राम-सीता के विवाह की झलक दिखी, श्रेया घोषाल-अरिजीत सिंह ने आवाज दी

'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज

नई दिल्ली। अपकमिंग फिल्म 'रामायण' का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज हो गया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। गाने को श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। इसके म्यूजिक को ए.आर. रहमान ने कंपोज, प्रोड्यूस और अरेंज किया है। गाने के लिरिक्स डॉ. कुमार विश्वास ने लिखे हैं। इस फिल्म के म्यूजिक पर ए.आर. रहमान के साथ हॉलीवुड के म्यूजिक कंपोजर हंस जिमर भी काम कर रहे हैं। बता दें कि नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के पहले पार्ट का ट्रेलर 30 जुलाई को सुबह 4:15 बजे, ब्रह्म मुहूर्त के शुभ अवसर पर दुनिया भर में लॉन्च किया था। 'रामायण' के ट्रेलर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में एक साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया था। फिल्म 'रामायण' में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बड़े कलाकार एक साथ नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम की भूमिका में हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभा रही हैं। साउथ सुपरस्टार यश इस फिल्म में रावण के रोल में दिखेंगे। इसके अलावा सनी देओल हनुमान की भूमिका में हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में अरुण गोविल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, विवेक ओबेरॉय और कुणाल कपूर भी अहम भूमिकाओं में शामिल हैं। फिल्म के संगीत को लेकर भी काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इस फिल्म में दो दिग्गज म्यूजिशियन एआर रहमान और ऑस्कर विजेता हैंस जिमर पहली बार एक साथ मिलकर बैकग्राउंड स्कोर और संगीत तैयार कर रहे हैं।

भगवान राम और सीता के विवाह पर केंद्रित है गाना

'जय जय राम' के विजुअल्स में सिया-राम के दिव्य संबंध को दिखाया गया है। गाने में भगवान राम और सीता के भव्य विवाह को भी दर्शाया गया है। गाने में भक्ति और आध्यात्मिक भाव को प्रमुखता दी गई है। गाने में 'जय जय राम' का बार-बार दोहराव किया गया है, जो इसे मंत्र की तरह प्रस्तुत करता है। लिरिक्स में भगवान राम के प्रति भक्त की आस्था, भरोसे और उनकी शरण में जाने की भावना व्यक्त की गई है। गाने की एक पंक्ति 'जगत के अंधियारे, हमको घेरे सारे' जीवन के अंधकार के बीच रोशनी की तलाश को दर्शाती है। गाने में 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम' जैसे पारंपरिक श्लोक का भी इस्तेमाल किया गया है। इससे रामायण की ऐतिहासिक और धार्मिक पृष्ठभूमि को आधुनिक संगीत से जोड़ा गया है।

ये दोनों बाब-अल मंदेब से 160केएम दूर, यूरोप-एशिया शॉर्टकट शिपिंग रूट पर दबदबा बढ़ा

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में दो और द्वीपों पर कब्जा

दावा

सना, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी लाल सागर में दो और अहम द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। यमन सरकार के मुताबिक हूतियों ने ग्रेटर हनीश और लेसर हनीश द्वीपों पर अपने लड़ाके तैनात किए हैं। ये द्वीप बाब-अल मंदेब स्ट्रेट से करीब 160 किमी उत्तर में हैं।

इससे पहले पिछले हफ्ते हूतियों ने लाल सागर के किनारे बसे बंदरगाह शहर मोखा और बाब-अल मंदेब में मौजूद मायून द्वीप पर भी कब्जा किया था। इन दोनों जगहों पर सऊदी अरब के समर्थन वाली यमनी सरकारी सेना का नियंत्रण था। हूतियों के इन द्वीपों पर कब्जे से लाल सागर के समुद्री रास्ते पर उनका दबदबा और मजबूत हो गया है। बाब-अल मंदेब से होकर बड़ी संख्या में जहाज गुजरते हैं।

यमन में सरकार और हूतियों के बीच करीब 12 साल से लड़ाई चल रही है। सऊदी अरब यमन की सरकार का समर्थन करता है, जबकि हूतियों को ईरान का समर्थन मिलता है। 2022 में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ था। इसके बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई काफी कम हो गई थी। अब हूतियों की बढ़त के बाद यमन में फिर बड़े गृहयुद्ध का खतरा पैदा हो गया है।

लड़ाई बढ़ने का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी के मुताबिक, सितंबर की शुरुआत से अब तक यमन में 82 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं।

यमन में सरकार और हूतियों के बीच हमले तेज

यमन और सऊदी की सेना ने रविवार को लाल सागर के पास हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसके जवाब में हूतियों ने सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल से हमले करने का दावा किया। हमले की आशंका के बीच सऊदी अरब के दो शहरों अबहा और खमिस मुशैत में सायरन बजाए गए। लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया। सऊदी में यमन सीमा के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरने से दो लोग घायल हुए। एक मस्जिद और कुछ दूसरी इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

यमन में हूती ठिकानों पर सऊदी के हवाई हमलों के बाद हूती विद्रोही भागते नजर आए।

यमन में 500 से ज्यादा सरकारी लड़ाके मारे गए

यमन में हूतियों के खिलाफ लड़ाई में पिछले चार हफ्तों में सरकार समर्थित 500 से ज्यादा लड़ाके मारे गए हैं। सरकार के समर्थन में लड़ने वाली नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स ने यह दावा किया है।

संगठन के मुताबिक, इसी दौरान होदेदा और ताइज प्रांतों में 1,000 से ज्यादा हूती लड़ाके भी मारे गए। हालांकि, हूतियों ने इन आंकड़ों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच यमनी सरकार ने लाल सागर के तट पर और सैनिक भेजने का फैसला किया है। सरकार के एक अधिकारी ने पिछले हफ्ते की हार को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकारी बल फिर से इलाके में लौटेंगे।

सुपर-इंटेलिजेंट एआई को एलियन प्रजाति से तुलना की

'हम किसी एलियन को बुलावा दे रहे'

वॉशिंगटन, एजेंसी

एआई के डेवलपमेंट पर ब्रेक लगाने की चर्चाओं के बीच ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के पूर्व रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एक चौंकाने वाली बात करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि एआई बनाने वाले लोग खुद पूरी ईमानदारी से मानते हैं कि यह टेक्नोलॉजी इस दशक के आखिर तक पूरी इंसानियत को खत्म कर सकती है।

कॉक्सन की ताजा चेतावनी के मुताबिक, सुपर-इंटेलिजेंट एआई बनाने की कोशिश करना किसी एलियन प्रजाति को बुलाने जैसा है। एक ऐसा दिमाग जिसे हम पूरी तरह समझते नहीं हैं और जिस पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं हो सकता। उन्होंने हाल ही में डारियो अमोदेई की अगुवाई वाली कंपनी (जो Claude बनाती है) छोड़ी है। उन्होंने एक टीवी शो के दौरान कहा, सुपरइंटेलिजेंस के कॉन्सेप्ट की तुलना किसी एलियन प्रजाति को बुलाने से की गई है। इसलिए, किसी ऐसे एलियन दिमाग के बारे में सोचना जिसे हम पूरी तरह नहीं समझते, बिना किसी ठोस स्थिति के भी काफी डरावना है।

कॉक्सन असल में इस बात को लेकर चेतावनी दे रहे हैं कि एक ऐसी एलियन इंटेलिजेंस बनाना जिसे कंट्रोल न किया जा सके, अपने आप में ही बहुत डरावना है। भले ही आप दुनिया के खत्म होने जैसी किसी स्थिति के बारे में न सोचें।

फास्ट न्यूज

'एपीजे अब्दुल कलाम को भी परोसा गया था शाकाहारी खाना'

रेक्जाविक। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को परोसे गए पूरी तरह से शाकाहारी मेन्यू की विपक्ष द्वारा आलोचना किए जाने के बीच आइसलैंड के पूर्व राष्ट्रपति ओलाफर रगनार ग्रिम्सन ने एक पुरानी घटना याद की है। उन्होंने बताया कि 2005 में जब तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम आइसलैंड की राजकीय यात्रा पर आए थे, तब उन्होंने भी कलाम को पूरी तरह से शाकाहारी भोजन परोसा था।

चीन ने पानी में निगरानी के लिए बनाई 'गोल्डन एरोवाना' जैसी रोबोटिक मछली

बीजिंग। चीन ने मछली जैसा दिखने वाला एक अंडरवाटर रोबोट बनाया है जो पानी के अंदर अपने आप तैर सकता है। यह देश के बायोमिमेटक रोबोटिक सिस्टम के बढ़ते विकास को दिखाता है, जिनका इस्तेमाल पानी के नीचे निगरानी और टोल लेने में किया जा सकता है। चीनी समाचार आउटलेट, जिमु न्यूज के अनुसार, बोयागोंगदाओ मरीन टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा विकसित BG-5 गोल्डन ड्रैगन फिश का प्रदर्शन बीजिंग के शौगांग पार्क में 2026 चीन अंतरराष्ट्रीय सेवा व्यापार मेले में किया गया।

टूटी हड्डियों के साथ 7000 फीट की चढ़ाई

वाशिंगटन। 2 अप्रैल को अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे बड़े सर्च एंड रेस्क्यू अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह अभियान तब शुरू किया गया, जब ईरान की एक कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल ने अमेरिका के F-15E स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान को मार गिराया। इस हमले के कारण विमान में सवार दो अमेरिकी अधिकारियों को दुश्मन की जमीन पर इजेक्ट करना पड़ा।

थोक महंगाई अगस्त में बढ़कर 9.92% पहुंची

8 महीने में सबसे ज्यादा खाने-पीने की चीजें

नई दिल्ली, एजेंसी

अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92% हो गई। जुलाई में यह 9.78% थी। खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स महंगे होने की वजह से यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार ने आज, 14 सितंबर को ये आंकड़े जारी किए।

महंगाई दर 9.92% होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.92 का है।

आम आदमी की रसोई से जुड़े फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी तेजी आई है। थोक मूल्य सूचकांक में फूड इंडेक्स की हिस्सेदारी 24.99% होती है। अगस्त 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई बढ़कर 7.05% पर पहुंच गई, जो जुलाई में 6.65% थी।

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है।

14 भारतीय सवार थे, 13 का रेस्क्यू हुआ, एक लापता, भारत ने हमले की निंदा की

ओमान के पास जहाज पर हमला

ओमान, एजेंसी

ओमान के तट के पास रविवार को कमर्शियल जहाज एमटी एल गाइया पर हमला हुआ। जहाज पर 14 भारतीय सवार थे।

विदेश मंत्रालय (MEA) ने बताया कि 13 भारतीय क्रू सदस्यों को बचा लिया गया है। एक भारतीय अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि लापता भारतीय की तलाश के लिए बचाव अभियान चल रहा है।

मंत्रालय के मुताबिक, ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर रख रहा है। दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। हालांकि, अभी तक हमले की जिम्मेदारी अमेरिका या ईरानी सेना ने नहीं ली है।

इस हमले से कुछ घंटे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने सोशल मीडिया पर कहा था कि ईरान के लोगों को दबाव डालकर झुकाया नहीं जा सकता।

रिपोर्ट- होर्मुज में नए रास्ते पर ईरान-ओमान में समझौता हुआ

ईरान और ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को लेकर एक समझौता किया है। ईरान की न्यूज एजेंसी तस्नीम ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि दोनों देशों ने होर्मुज से जहाजों के आने-जाने के रास्ते की जानकारी तय कर ली है।

होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी जहाज भी हमले की चपेट में

भारत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रविवार सुबह ईरान के केश्म द्वीप के पास एक ईरानी कार्गो जहाज पर भी हमला होने की खबर सामने आई। यह इलाका होर्मुज स्ट्रेट में आता है।

ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस हमले में एक शख्स की मौत हुई और चार लोग घायल हुए। हमले के बाद जहाज में आग लग गई थी और लोगों को बाहर निकालने का ऑपरेशन शुरू किया गया था।

केश्म के गवर्नर हुसैन अमीरतेइमूरी ने तस्नीम से कहा कि जहाज पर हमला एक प्रोजेक्टाइल से किया गया था। उन्होंने इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया।

> ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने बताया कि क्षेत्र के अरब देशों के विदेश मंत्री ओमान में बैठक करेंगे। इसमें होर्मुज के रास्ते को लेकर सहमति बनाई जाएगी। इसके बाद इस व्यवस्था की जानकारी अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को दी जाएगी।

उन्होंने कहा, 'ईरान सरेंडर नहीं करेगा।' नए समझौते के तहत खाड़ी देशों से होर्मुज में प्रवेश करने वाला रास्ता पूरी तरह ईरान के क्षेत्रीय जल में होगा। बाहर निकलने वाले रास्ते का एक हिस्सा भी ईरान के क्षेत्रीय जल में रहेगा। तस्नीम ने ईरानी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। व्यवस्था पर सहमति बनने के बाद होर्मुज का दक्षिणी रास्ता सीधे बंद कर दिया जाएगा। यह अमेरिका की मांग के खिलाफ है।

थेम्स नदी के किनारे वाराणसी घाटों जैसी झलक, आरती के जरिए नदी, प्रकृति और जीवन के लिए आभार जताया

लंदन में पहली बार गंगा आरती हजारों लोग शामिल

लंदन, एजेंसी

लंदन में रविवार को पहली बार थेम्स नदी के किनारे गंगा आरती का आयोजन हुआ। इस आरती में हजारों लोग शामिल हुए थे। भजन और मंत्रों के जाप के साथ हुई आरती ने थेम्स के किनारे वाराणसी के घाटों जैसी झलक दिखाई।

चिन्मय मिशन UK ने टोटली थेम्स फेस्टिवल के साथ मिलकर यह आयोजन किया। यह चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे होने के मौके पर हो रहे कार्यक्रमों का हिस्सा था। आरती के जरिए नदी, प्रकृति और जीवन के लिए आभार जताया गया।

फीडबैक को देखते हुए थेम्स नदी के किनारे गंगा आरती हर साल आयोजित की जा सकती है।

कार्यक्रम में भजन, मंत्रोच्चार और संगीत प्रस्तुतियां हुईं। बड़ी संख्या में लोगों ने आरती में हिस्सा लिया और दिए जलाकर नदी के लिए सम्मान जताया। चिन्मय मिशन UK की रेजिडेंट टीचर ब्रह्मचारिणी श्रीप्रिया चैतन्य ने कहा कि पीढ़ियों से लोग गंगा के किनारे नदी, प्रकृति और जीवन के लिए सम्मान जताने के लिए दिए जलाते हैं। थेम्स पर हुई यह आरती इसी भावना को लंदन तक पहुंचाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि चिन्मय मिशन के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि ज्ञान के प्रवाह का भी प्रतीक है। मिशन के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद ने वेदांत के ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने के लिए अपना जीवन लगा दिया था। चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे होने के मौके पर यह आयोजन उनकी इसी विरासत को याद करने का एक तरीका था।

गंगा आरती से पहले कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

थेम्स में नहीं बहाए गई पूजा सामाग्री

इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि आरती के दौरान थेम्स नदी में कोई दिए, फूल या दूसरी पूजा सामग्री नहीं डाली गई।

चिन्मय मिशन के प्रवक्ता ने बताया कि आरती में इस्तेमाल किए गए दीपक भी नदी में नहीं छोड़े गए, बल्कि किनारे पर ही रखे गए।

कार्यक्रम में कचरा कम करने और सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल घटाने पर भी ध्यान दिया गया। यानी आयोजन में धार्मिक परंपरा के साथ नदी और पर्यावरण की जिम्मेदारी को भी जोड़ा गया।

चीन ने एआई डेवलपमेंट धीमा करने को बताया अमेरिकी चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के एआई डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करने के प्रस्ताव को चीन ने 'कोल्ड वॉर प्लेबुक' बताया है। चीनी अखबार ने कहा कि सुरक्षा के नाम पर एआई की रफ्तार रोकने की मांग अमेरिका के तकनीकी एकाधिकार को बनाए रखने की एक साजिश है।

ग्लोबल टाइम्स ने इस कार्टून के जरिए अमेरिका पर निशाना साधा है। कार्टून में अंकल सैम (अमेरिका) को ओपन-सोर्स एआई के रास्ते में ईंट की दीवार बनाते दिखाया गया है, ताकि चीन के बढ़ते दबदबे को रोका जा सके।

ग्लोबल टाइम्स ने इस कार्टून के जरिए अमेरिका पर निशाना साधा है। कार्टून में अंकल सैम (अमेरिका) को ओपन-सोर्स एआई के रास्ते में ईंट की दीवार बनाते दिखाया गया है, ताकि चीन के बढ़ते दबदबे को रोका जा सके। डारियो अमोदेई ने एक लेख में एआई बनाने की रफ्तार थोड़ी धीमी करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि इससे एआई से जुड़े खतरों को समझने और निपटने का समय मिल जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और इलॉन मस्क ने भी इस बात का समर्थन किया है। डारियो ने अमेरिकी सरकार से मांग की थी कि चीन को भेजी जाने वाली कंप्यूटर चिप्स पर और सख्ती की जाए। मॉडल डिस्टिलेशन पर भी रोक लगाई जाए।

> एंथ्रोपिक सीईओ ने कहा था- खतरों से निपटने के लिए रफ्तार कम करना जरूरी

बयान : विदेश राज्य मंत्री ने कहा- दोनों देशों में सीधी बातचीत जरूरी, हसीना के दौर के संबंध असहज थे

भारत से नए सिरे से रिश्ते बनाएंगे : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत के साथ अपने रिश्ते को रीसेट करना चाहता है। यानी दोनों देशों के बीच संबंधों को नए सिरे से शुरू करना चाहता है।

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच नया रिश्ता आपसी हितों के आधार पर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंधों को असहज बताया।

कबीर ने कहा कि ढाका नई दिल्ली के साथ नए रिश्ते की ओर बढ़ना चाहता है और इसके लिए दोनों देशों के बीच सीधे बातचीत होनी चाहिए। यह बातचीत किसी बहुपक्षीय मंच के जरिए नहीं, बल्कि द्विपक्षीय स्तर पर होनी चाहिए।

बांग्लादेश का यह बयान भारत में हुए BRICS समिट के खत्म होने के आया है। बांग्लादेश ने कहा था कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान BRICS समिट में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि उन्हें व्यक्तिगत हैसियत से न्योता नहीं दिया गया था।

ढाका के मुताबिक, उन्हें BIMSTEC के अध्यक्ष के तौर पर आमंत्रित किया गया था। BIMSTEC बंगाल की खाड़ी से जुड़े दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के 7 देशों का क्षेत्रीय संगठन है, जो आपसी सहयोग और विकास के लिए मिलकर काम करता है। दरअसल 5 अगस्त को शेख हसीना ने दिल्ली में वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने की दूसरी बरसी पर पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए और बांग्लादेश की राजनीति पर भी अपनी बात रखी।

इस पर बांग्लादेश सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई। ढाका का कहना था कि भारत में रहते हुए हसीना का सार्वजनिक रूप से राजनीतिक बयान देना दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है।

'भारत पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देना बंद करना होगा'

कबीर ने कहा कि बांग्लादेश को भारत के साथ रिश्तों को लेकर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने की सोच से बाहर निकलना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंधों को संतुलित तरीके से देखना चाहिए और आपसी हितों पर ध्यान देना चाहिए। नई दिल्ली के साथ रिश्ता बांग्लादेश के दूसरे देशों के साथ संबंधों का भी एक हिस्सा है।

अगस्त में भी टला था रहमान का भारत दौरा

BRICS से पहले भारत ने दोनों देशों के बीच एक अलग द्विपक्षीय मुलाकात के लिए PM तारिक को निमंत्रण दिया था। उन्हें 22 अगस्त को भारत आना था, लेकिन दौरे से पहले ही यह कार्यक्रम टल गया था। उस समय बांग्लादेश ने भारत के सामने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया था। दोनों देशों के बीच इस मुद्दे को लेकर पहले से तनाव चल रहा है।

इस पर बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने उस वक्त कहा था कि,जब माहौल सही होगा, तब द्विपक्षीय दौरे होंगे। जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण हादसा, 21 लोगों की मौत

केपटाउन, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के एक मुख्य हाईवे पर दो मिनीबस टैक्सियों की आमने-सामने टक्कर हो गई और एक तीसरी गाड़ी उनसे टकरा गई, जिससे कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन ने बताया कि रविवार रात वेस्टर्न केप प्रांत में यह हादसा केप टाउन से लगभग 380 किलोमीटर पूर्व में प्रिंस अल्बर्ट और ली-गामका कस्बों के बीच हुआ। एजेंसी ने कहा कि मरने वालों की संख्या बदल सकती है क्योंकि वेस्टर्न केप में इमरजेंसी सर्विस और अधिकारी घटनास्थल का आकलन कर रहे हैं।दक्षिण अफ्रीका में लाखों लोगों के लिए मिनीबस टैक्सियां सार्वजनिक परिवहन का मुख्य साधन हैं और अक्सर इनमें जानलेवा टक्करें होती रहती हैं। जनवरी में मिनीबस टैक्सियों से जुड़े दो अलग-अलग हादसों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 14 बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि रविवार रात हुए हादसे में तीन पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वेस्टर्न केप मोबिलिटी विभाग ने बताया कि अधिकारियों का मानना है कि हादसा दो मिनीबस टैक्सियों की आमने-सामने टक्कर से शुरू हुआ, जिसके बाद एक एसयूवी उनसे टकरा गई। हादसे वाली जगह पर एन1 हाईवे को बंद कर दिया गया और रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96